वीडियो समाचार देखने के लिए
Youtube पर
Subscribe करें हाथोर
www.hathorsamachar.com
छपे हुए अखबार से और अधिक
समाचार वेबसाइट पर प्रतिदिन पढ़ें:
www.hathorsamachar.com

हिन्दी मासिक समाचार पत्र

RNI : CHHHIN/2021/82081

हाथोर समाचार

वर्ष-05 अंक-02 सूरजपुर से प्रकाशित बुधवार 05 फरवरी से 04 मार्च 2025 तक पृष्ठ-8 मूल्य-10 रुपये संपादक : बिंटू सिंह

टीएस सिंह देव के गढ़ में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का चला मैजिक

10 साल से काबिज नगर निगम में कांग्रेस को बड़ा झटका, भाजपा ने महापौर सहित 31 पार्षद जीती

बिट्टू सिहं राजपूत/सरगुजा

छत्तीसगढ़ के कद्दावर कांग्रेस नेता और राज्य के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव के गढ़ अंबिकापुर में भारतीय जनता पार्टी ने एक ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। अंबिकापुर नगर निगम चुनाव में भाजपा की मंजूषा भगत ने 11063 वोटों से जीत हासिल की और अंबिकापुर नगर निगम की पहली महापौर बनीं। इस जीत ने राज्य की राजनीति में एक नया मोड़ दिया है, क्योंकि अंबिकापुर में पिछले 10 वर्षों से कांग्रेस का ही दबदबा था।

अंबिकापुर नगर निगम चुनाव में कुल 48 वार्ड थे, जिसमें से भाजपा ने 31 वार्डों में जीत हासिल की। यह भाजपा की शानदार सफलता का प्रतीक है, खासतौर से टीएस सिंह देव के मजबूत किले में भाजपा की सेंधमारी को लेकर। भाजपा की इस जीत ने साफ संकेत दिया है कि राज्य में राजनीतिक समीकरण बदलने लगे हैं और भाजपा के लिए अंबिकापुर जैसे कांग्रेस के गढ़ में भी अब संभावनाएं खुल रही हैं।

लक्ष्मी राजवाड़े का मैजिक और भाजपा की रणनीति

भाजपा ने अंबिकापुर नगर निगम चुनाव में प्रचार की जिम्मेदारी मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को सौंपी थी। लक्ष्मी राजवाड़े ने अपनी रणनीति और कुशल नेतृत्व से अंबिकापुर और उसके

आसपास के क्षेत्रों में भाजपा की लहर को तेज किया। भाजपा की जीत का श्रेय राजवाड़े की सक्रियता और डोर-टू-डोर जनसंपर्क को जाता है, जिससे उन्होंने क्षेत्रवासियों के बीच भाजपा के लिए समर्थन जुटाया। राजवाड़े ने न केवल अंबिकापुर, बल्कि भटगांव नगर पंचायत में भी कांग्रेस को हराया।

भटगांव में भाजपा के कई बागी नेताओं ने चुनाव लड़ा, लेकिन लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में भाजपा ने एकजुट होकर जीत हासिल की। राजवाड़े के अथक प्रयासों से भाजपा ने नगर पंचायत अध्यक्ष और 8 पार्षदों को जीत दिलाई। इस सफलता से साफजाहिर होता है कि राजवाड़े का मैजिक केवल अंबिकापुर तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने अपने प्रभाव से भटगांव में भी कांग्रेस को पूरी तरह से हरा दिया।

टीएस सिंह देव के गढ़ में कांग्रेस को बड़ा झटका

अंबिकापुर नगर निगम में भाजपा की यह जीत कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है, खासकर तब जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और प्रदेश के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव ने चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी खुद संभाल रखी थी। सिंह देव के नेतृत्व में कांग्रेस पिछले 10 वर्षों से

अंबिकापुर नगर निगम पर काबिज थी, और इस बार उनकी कोशिशें नाकाम साबित हुईं। कांग्रेस के प्रचार में टीएस सिंह देव का योगदान बहुत महत्वपूर्ण था, लेकिन भाजपा की रणनीति और लक्ष्मी राजवाड़े की मेहनत ने परिणामों को उलट दिया।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की मेहनत रंग लाई

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अंबिकापुर और भटगांव में चुनाव प्रचार के दौरान एक-एक वार्ड में जाकर जनता से संवाद किया। उन्होंने जनसंपर्क के दौरान लोगों की समस्याओं को समझा और भाजपा के विजन को उनसे साझा किया। उनके इस डोर-टू-डोर प्रचार अभियान ने भाजपा के पक्ष में बड़ा जनसमर्थन जुटाया। खासकर महिलाओं और युवाओं ने भाजपा के पक्ष में वोट किया, जो कांग्रेस के लिए एक चुनौती साबित हुआ।

कांग्रेस का सफाया

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की रणनीति ने भाजपा को अंबिकापुर के साथ-साथ भटगांव में भी बड़ी सफलता दिलाई। भटगांव नगर पंचायत में जहां भाजपा के कई बागी नेताओं ने चुनावी मैदान में उतरकर कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोला था, वहां भी लक्ष्मी राजवाड़े ने अपनी मेहनत से भाजपा को जीत दिलाई। उनकी डोर-टू-डोर जनसंपर्क और कांग्रेस के खिलाफ आक्रामक प्रचार ने जनता को भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित किया।

जहां-जहां मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का कदम पड़ा, वहां-वहां कांग्रेस की बुरी तरह से हार हुई। यह साफ तौर पर दर्शाता है कि भाजपा की रणनीति और लक्ष्मी राजवाड़े का नेतृत्व अब छत्तीसगढ़ के राजनीति में प्रभावशाली साबित हो रहा है।

अंबिकापुर नगर निगम और भटगांव , बिश्रामपुर नगर पंचायत के चुनाव परिणाम भाजपा की रणनीतिक सफलता और लक्ष्मी राजवाड़े की मेहनत का प्रतीक हैं। टीएस सिंह देव के गढ़ में भाजपा ने जो सेंधमारी की है, वह राज्य की राजनीति में एक बड़ा संदेश है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा इस जीत को राज्य के अन्य हिस्सों में कैसे भुनाती है और क्या यह परिणाम आगामी विधानसभा चुनावों पर असर डालेंगे।

टीएस सिंह देव के लिए यह हार एक बड़ा राजनीतिक झटका है, लेकिन कांग्रेस को इस हार से सबक लेना होगा और अपनी रणनीतियों में बदलाव करना होगा, अगर वह आगामी चुनावों में भाजपा का मुकाबला करना चाहती है।

जीवेत शरदः शतम्

छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री
जनप्रिय नेता, आदरणीय
मा. विष्णुदेव साय जी
को 21 फरवरी
जन्मदिन की
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं...

श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े
कैबिनेट मंत्री
महिला एवं बाल विकास विभाग
छ.ग. शासन

विनितः- समस्त कार्यकर्तागण भाजपा, भटगांव विधानसभा क्षेत्र

एनटीपीसी सीपत द्वारा जिला पुलिस बिलासपुर के सहयोग से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने हेतु हेलमेट वितरण अभियान का आयोजन

सीपत। एनटीपीसी सीपत द्वारा जिला पुलिस बिलासपुर के सहयोग से सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हेलमेट वितरण अभियान का आयोजन 24.02.2025 को नवाडीह चौक सीपत में यातायात एवं जिला पुलिस विभाग बिलासपुर के माध्यम से किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि रजनेश सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक बिलासपुर की उपस्थिति तथा विजय कृष्ण पाण्डेय, परियोजना प्रमुख (एनटीपीसी सीपत) की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के दौरान राम गोपाल करियारे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात ने अपने संबोधन में लोगों को हेलमेट पहनने तथा जीवन के महत्व के बारे में बताते हुए देश में हो रही दुर्घटनाओं के बारे में जानकारी दी। विजय कृष्ण पाण्डेय , परियोजना प्रमुख ने अपने संबोधन में हेलमेट पहनने को अपनी आदत में शामिल करने का सुझाव देते हुए कहा कि जीवन अनमोल है, इसकी सुरक्षा स्वयं को ही करनी है। रजनेश सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक बिलासपुर ने भी सभी को संबोधित कर हेलमेट पहनने की अपील की तथा इस बात पर ज़ोर दिया कि किसी भी परिस्थिति में बिना हेलमेट पहने दुपहिया वाहन नहीं चलाएं। उन्होंने एनटीपीसी सीपत प्रबंधन का उच्च गुनवत्ता वाले हेलेमेट उपलब्ध कराने के लिए भूरि-भूरि प्रशंसा की। तत्पश्चात उन्होने सभी को यातायात के प्रति शपथ भी दिलाया। विदित हो कि दिनोंदिन सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ते जा रहा है जिससे सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में भी बढ़ोत्तरी हो रही है। इसके बावजूद ज्यादातर दो पहिया वाहन चालक बिना क्रैश हेलमेट के ही वाहन चलाते है जिससे दुर्घटना होने पर सिर पर गंभीर चोट लगने का डर रहता है और जान भी जाने की संभावना बनी रहती है। इन दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ही एनटीपीसी सीपत के द्वारा जिला यातायात एवं पुलिस विभाग बिलासपुर द्वारा हेलमेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंत में गोपाल सतपति, थाना प्रभारी सीपत थाना ने धन्यवाद ज्ञापन कर सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शिव चरण परिहार, डीएसपी यातायात, जय प्रकाश सत्यकाम, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन, डॉ. राजीव शंकर खेर, प्राचार्य, शासकीय मदन लाल शुक्ल महाविद्यालय सीपत, मुगल शर्मा, एसआई, सहेत्तर कुर्रे, एसआई, कमल फूल साहू, शिव सिंह बक्साल, एसआई, धर्मेंद्र यादव एसआई, भरत सिंह मरकाम, एसआई स्थानीय सीपत के स्टॉफ सहित मीडिया बंधु मौजूद रहे।

मुंगेली में सहायक उप निरीक्षक और उसका सहयोगी रिश्वत लेते पकड़े गए

मुंगेली। मुंगेली जिले के लालपुर थाने में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक और उसका सहयोगी रिश्वत लेते एंटी करप्शन ब्यूरो ने रंगे हाथे पकडा। घटना का विवरण इस प्रकार है कि ग्राम सूरजपुरा जिला मुंगेली निवासी देवेंद्र बर्मन द्वारा एंटी करप्शन ब्यूरो में यह शिकायत की गई थी कि उसके विरुद्ध थाना लालपुर जिला मुंगेली में अपराध क्रमांक 174/24 दर्ज है।उक्त मामले में बड़ी धारा जुड़ने से बचाने के लिए थाने के सहायक उप निरीक्षक राजाराम साहू द्वारा 15000 रुपए रिश्वत की मांग की जा रही है।शिकायत का सत्यापन कराए जाने के दौरान आरोपी द्वारा 5000 रुपए प्रार्थी से प्राप्त कर लिया गया तथा शेष 10000 रुपए लेने हेतु सहमति दी गई जिसके आधार पर कार्यवाही की योजना बनाई जाकर एसीबी की टीम द्वारा 24 .2 2025 को आरोपी राजाराम साहू को रिश्वती रकम ?10000 देने हेतु प्रार्थी को रिश्वती रकम सहित भेजा गया था जो प्रार्थी द्वारा आरोपी से बात करने पर उसके द्वारा पैसे को नजदीक में मेडिकल स्टोर संचालित करने वाले प्रेमसागर जांगड़े को देने को कहा जिस पर प्रार्थी द्वारा प्रेमसागर जांगड़े को रिश्वती रकम दिए जाने पर पहले से घेराबंदी में लगी हुई एसीबी की टीम ने राजाराम साहू और जांगड़े को पकड़ लिया ।आरोपिया के विरुद्ध एसीबी के द्वारा धारा 7, 12 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जा रही है। गौरतलब है कि कुछ दिनों पूर्व ही मुंगेली में शिक्षा विभाग के दो और राजस्व विभाग के 2 अधिकारियों को विभिन्न काम के एवज में बड़ी राशि रिश्वत में लेते हुए पकड़ा गया है। एसीबी की सूत्रों के अनुसार भ्रष्टाचार के खिलाफइस तरह की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

तीसरे चरण में जनपद पंचायत क्षेत्र फरसाबहार, कांसाबेल और पत्थलगांव में कुल 80.18 प्रतिशत हुआ मतदान, सारणीकरण एवं निर्वाचन परिणामों की घोषणा 25 को

जशपुरनगर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के अंतर्गत तीसरे चरण में 23 फरवरी को जनपद पंचायत क्षेत्र फरसाबहार, कांसाबेल और पत्थलगांव में मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। तीनों जनपद पंचायत क्षेत्र में कुल 80.18 प्रतिशत मतदान हुआ। जिनमें जनपद पंचायत क्षेत्र फरसाबहार में 76.27 प्रतिशत, जनपद पंचायत क्षेत्र कांसाबेल में 77.77 प्रतिशत और पत्थलगांव जनपद पंचायत क्षेत्र में 84.03 प्रतिशत मतदान हुआ।

'किसान सम्मान निधि रू 102191 किसानों के खाते में 20.44 करोड़ रूपए अंतरित'

मुंगेली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि योजनांतर्गत 19वीं किश्त के रूप में बिहार के भागलपुर से 9.8 करोड़ किसानों के बैंक खाते में डिजिटल माध्यम से 22 हजार करोड़ रूपए से अधिक राशि अंतरित की। इनमें जिले के 102191 किसानों के बैंक खाते में 02-02 हजार रूपए के मान से 20.44 करोड़ रूपए की राशि का अंतरण किया गया। जिले के कृषि विज्ञान केन्द्र के सभागार में किसानों को लाइव टेलीकास्ट दिखाया गया। साथ ही वैज्ञानिकों द्वारा जैविक खेती, प्राकृतिक खेती, दलहन एवं तिलहन की उन्नत कृषि विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आर. एल. शर्मा, कृषि विभाग के उप संचालक एम. आर. तिग्गा, सहायक संचालक एम.एस.पैकरा एवं ललिता मरावी, इंजीनियर डॉ.पी.के. सिंह एवं एस. के. लहरे, विषय विस्तु विशेषज्ञ पल्लवी पोर्ते, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बी.पी. कोशले सहित विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से सहकार से समृद्धि के विजन को जन-जन तक पहुंचाएगा सहकारिता विभाग

मुंगेली। वर्ष 2025 को अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है अतः केंद्र एवं राज्य के सहकारिता मंत्रालय ने इस वर्ष के लिए सालभर होने वाली गतिविधियों का एक कैलेंडर जारी किया है. इस बंसमदकमत में सालभर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन तक सहकारिता मंत्रालय के विभिन्न पहलों को पहुंचाने और लोगों को सहकारिता से जोड़ कर रोजगार का सृजन करने और सहकारी समितियों को बहुउद्देशीय बनाकर आमजनों को अपने ग्राम पंचायतों में विभिन्न प्रकार की सुविधा देने की योजना है इसी अनुक्रम में डनदहमसप जिला में भी ब्संमदकमत तैयार किया गया है जिसे शीघ्र ही से अनुमोदन कराया जाना है कैलेंडर के अनुरूप जिले में विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं जिसमें जनवरी में नवीन समितियों को प्रमाण पत्र वितरण, नवीन समितियों का प्रशिक्षण और 26 जनवरी के अवसर पर सहकारिता विभाग द्वारा झांकी प्रदर्शन भी कराया गया था जिसे द्वितीय पुरस्कार भी मिला था. फरवरी में निर्धारित कार्यक्रम अनुसार जिले के समस्त चंबे/संउचे को के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया. विदित हो कि जिले के सभी चंबे/संउचे सहकारी समितियों को पक प्रदान किया गया है जिससे समितियों की आय बढ़ेगी साथ ही कृषकों को अपने पंचायत स्तर पर के लाभ मिल सकेंगे.

जिले में 28 फरवरी से 08 मई 2025 तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग प्रतिबंधित

कलेक्टर अग्रवाल ने जारी किया आदेश

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा जारी परीक्षा कार्यक्रम 2025 के अनुसार हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा 01 मार्च से 28 मार्च 2025 एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा जारी वार्षिक परीक्षा 2025 के अनुसार विश्वविद्यालयीन परीक्षा 01 मार्च से 08 मई 2025 तक आयोजित की जाएंगी।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग से परीक्षा एवं छात्र- छात्राओं के पढ़ाई में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। परीक्षाओं के सुचारू रूप से संचालन एवं छात्र-छात्राओं की परीक्षाओं की तैयारी में व्यवधान न हो, इसे दृष्टिगत रखते हुए जिला गरियाबंद में 28 फरवरी से 08 मई 2025 तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस संबंध में कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने आदेश जारी किये है। कलेक्टर अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1985 की धारा 18 के तहत् प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह प्रतिबंध लगाया है। विशेष परिस्थितियों एवं शासकीय कार्यों के लिए ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग करने की अनुमति संबंधित अनुभाग के अनुविभागीय दण्डाधिकारी, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों एवं उपरोक्त अधिनियम में उल्लेखित शर्तों के अधीन देंगे।

फिंगेश्वर एवं देवभोग विकासखंड में कुल 89.83 प्रतिशत हुआ मतदान

गरियाबंद। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025 के तहत जिले के फिंगेश्वर एवं देवभोग विकासखंड में 23 फरवरी को हुए मतदान के लिए मतदाताओं में अभूतपूर्व उल्लास एवं उत्साह रहा। फिंगेश्वर एवं देवभोग विकासखंड के कुल 124 ग्राम पंचायतों के 360 मतदान केंद्रों में वोटिंग सम्पन्न हुआ। इनमें कुल एक लाख 61 हजार 632 मतदाताओं ने वोट डाले। इस प्रकार दोनों विकासखंड में कुल 89.83 प्रतिशत मतदान हुआ। इसमें फिंगेश्वर विकासखंड के कुल 99 हजार 118 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इनमें 49 हजार 750 पुरूष एवं 49 हजार 368 महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसी प्रकार देवभोग विकासखंड में 62 हजार 514 मतदाताओं ने वोट डाले इनमें 30 हजार 794 पुरूष एवं 31 हजार 720 महिला मतदाता शामिल है। पंचायत निर्वाचन के तृतीय चरण के अंतर्गत हुए मतदान दिवस में सुबह से ही लोगों में मतदान के लिए काफी उत्साह रहा, जो मतदान समाप्ति तक बना रहा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में तृतीय चरण के त्रि-स्तरीय पंचायत मतदान कार्य शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न संपन्न हुआ। मतदान में महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों, दिव्यांजनों सहित सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता रही। उल्लेखनीय है की कलेक्टर अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में सफलतापूर्वक निर्वाचन संपादन के लिए मतदान केंद्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थी। केंद्रों में पानी, छाया, बैठक व्यवस्था, मतदाता मित्र, व्हीलचेयर सहित आदर्श मतदान केन्द्र आदि की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। इसके फलस्वरूप रविवार को मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही मतदान के लिए मतदाताओं की लम्बी लाईन लग गई थी। सभी मतदाताओं ने कतार में लगकर बारी-बारी से अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

और यह सिलसिला मतदान समाप्ति तक चलता रहा।

'प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र फंदवानी एवं कंतेली में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का प्रसारण एवं कृषकों का किया गया सम्मान'

मुंगेली। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19 वी किश्त हस्तांतरण प्रधानमंत्री द्वारा भागलपुर बिहार से किया गया इस अवसर पर मुंगेली जिले में उक्त कार्यक्रम का प्रसारण प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र के रूप में सहकारी समिति कंतेली एवं फंदवानी में किया गया जिसमें सहकारी समिति अंतर्गत आने वाले अनेक कृषकों ने कार्यक्रम में उपस्थित रहकर प्रसारण देखा उक्त कार्यक्रम समाप्ति के उपरांत समितियों द्वारा कृषकों का सम्मान किया गया तथा सहकारिता विभाग द्वारा सहकार से समृद्धि योजना अंतर्गत कृषकों के हित के लिए तथा सहकारी संस्थाओं के उत्थान के लिए संचालित की जाने वाली विभिन्न पहलों यथा माइक्रो एटीएम संचालन, कॉमन सर्विस सेंटर संचालन, ई-डिस्ट्रिक्ट के कार्य, चंबे कंप्यूटरकरण, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र आदि की जानकारी उपस्थित कृषकों को दी गई. सहायक आयुक्त सहकारिता हितेश श्रीवास ने बताया कि हमारी सहकारी समितियां में कृषकों के हित के लिए सहकारिता मंत्रालय द्वारा अनेक पहलें की जा रही है जिसकी जानकारी आम जनों तक पहुंचाना तथा उसे लाभान्वित करना विभाग का उद्देश्य है तथा अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 में हमारी सहकारी संस्थाएं प्रत्येक आमजनों तक पहुंच कर उन्हें सहकारिता विभाग की योजनाओं से जोड़ेंगे तथा लाभान्वित करेंगे इसके लिए जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित कमेटी डीसीडीसी की मार्गदर्शन में हम सतत कार्यरत हैं.

रामचंद्रपुर जनपद सदस्य चुनाव सम्पन्न, अशर्फी यादव ने पूर्व जनपद उपाध्यक्ष को दी 1517 मतों से पटकनी

रामानुजगंज। त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के तीसरे चरण में जनपद पंचायत रामचंद्रपुर में 23 तारीख को चुनाव सम्पन्न हुआ। जिसमें जनपद पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 18 में 2 प्रत्याशी मैदान में चुनाव लड़ रहे थे जिसमें जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर के पूर्व जनपद उपाध्यक्ष बी.डी. लाल गुप्ता एवं अशर्फी यादव के बीच मुख्य मुकाबला था। और इस क्षेत्र की जनता इस चुनाव परिणाम को लेकर टक टक्की लगाए बैठी थी। बी.डी.लाल गुप्ता को यह विश्वास था कि वह चुनाव जीत जाएंगे। लेकिन अशर्फी यादव ने जनता के बीच रहकर किए गए सेवा भाव से प्रश्न जनता ने उन्हें 1517 मतों से विजय घोषित करा दिया। और पूर्व जनपद उपाध्यक्ष बी.डी.लाल गुप्ता को हार का सामना करना पड़ा? विजई युवा प्रत्याशी अशर्फी यादव ने अपनी जीत का श्रेय अपने क्षेत्र की जनता को देते हुए उन्होंने बताया कि यह चुनाव मेरे जीवन की पहलि चुनाव है और मैं राजनीति के क्षेत्र में अपना स्थान इस क्षेत्र की जनता की मदद से संभव कर पाया हूं। इस क्षेत्र की जनता ने अपना आशीर्वाद देकर हमारे जिम्मेदारी को और बढ़ा दिया है अब इनको हर दुख सुख में ईनकी समस्याओं को अपनी समस्या मानकर हमेशा तत पर रहूंगा। वैसे तो मैं अपने क्षेत्र की जनता का हमेशा ध्यान रखा है और निस्वार्थ भाव से उनकी सेवा करता आया हूं आज उसी का परिणाम है कि हमें इनका भरपूर आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। अब हमारी प्रथम प्राथमिकता होगी कि भारतीय जनता पार्टी के केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना एवं मूलभूत सुविधाओं का ख्याल रखना होगा।

कमलेश को पीएचडी की उपाधि

उतई। देवाढ़ा निवासी कमलेश चेलक को पंडित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है । वे जवाहर चेलक एवं बुधवंतीन चेलक के सुपुत्र हैं। उन्हें यह उपाधि उनके शोध विषय दुर्ग संभाग में फसल प्रारूप की बदलती प्रवृत्तियों का कृषकों की आय पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण के लिए दिया गया है। उनके शोध कार्य के निर्देशक डॉ. के. के. बिंदल प्राध्यापक अर्थशास्त्र, शासकीय जे. योगानन्दम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय रायपुर एवं सह निर्देशक डॉ. विनोद कुमार जोशी प्राध्यापक अर्थशास्त्र, डॉ. राधाबाई नवीन कन्या महाविद्यालय रायपुर के दिशा निर्देश में पूरा किया है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय अपने गुरुजनों एवं अपनी धर्मपत्नी वेणुका चेलक व अपने परिवार को दिया है।

जनपद का प्रथम सम्मेलन 7 को तो जिला पंचायत का 10 मार्च को, गुंडरदेही जनपद में 25 में बीजेपी 10, कांग्रेस 10 और 4 अन्य ने मारी बाजी

पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज के भतीजे को भाजपा के दुर्गानंद ने दी शिकस्त, गुरुर जनपद के 21 सीट में 16 पर भाजपा के अधिकृत प्रत्याशियों ने जीता चुनाव

बालोद। पंचायत चुनाव के तीसरे और अंतिम चरण में जिले के गुंडरदेही व गुरुर ब्लॉक के 550 मतदान केंद्रों में 85.16 प्रतिशत मतदान हुआ। यह मतदान दिन का अंतिम मतदान प्रतिशत है। कुल 2 लाख 36 हजार 898 मतदाताओं में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। गुरुर ब्लॉक में 86.54 फीसदी मतदान हुआ तो गुंडरदेही ब्लॉक में 84.21 प्रतिशत। पिछले 2020 के चुनाव की अपेक्षा गुरुर में 2.7 और गुंडरदेही में 2.41 प्रतिशत मतदान कम हुआ है। 2020 के चुनाव में गुरुर ब्लॉक में 89.24 प्रतिशत तो गुंडरदेही ब्लॉक में 86.62 प्रतिशत मतदान हुआ था। वही त्रिस्तरीय पंचायत के तीनों चरणों में संपन्न हुए जिले के पांचों ब्लॉक बालोद, गुंडरदेही, गुरुर, डौंडी एवं डौंडीलोहारा के 434 ग्राम पंचायतों में 5 लाख 10 हजार 646 मतदाताओं में मतदान किया है, जिसका कुल मतदान प्रतिशत 84.53 हैं। आपको बता दे कि जिले में कुल 436 ग्राम पंचायत है, जहां 2 ग्राम पंचायत में चुनाव नहीं हूए। इस 2025 के पंचायत चुनाव में पंच से लेकर सरपंच, जनपद, और जिला तक अधिकांश सीटों पर भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी चुनाव जीत कर आये है। निकाय चुनाव के बाद पंचायत चुनाव में भी कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। रविवार को संपन्न हुए तीसरे चरण के चुनाव में बड़ा उलटफेर हुआ है, कई दिग्गज चुनाव हार गए। कांग्रेस नेत्री जिला पंचायत अध्यक्ष रही सोनादेवी देशलहरा व गुंडरदेही जनपद अध्यक्ष सुचित्रा साहू एवं भाजपा नेता पोषण बनपेला जिला पंचायत चुनाव और गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के भतीजे तोषण साहू भी चुनाव हार गए। कुल 5 जिला पंचायत सीट भाजपा के खाते में आई है। वही गुरुर जनपद की बात करें तो गुरूर जनपद पंचायत में 21 में भाजपा से अधिकृत 16, कांग्रेस से अधिकृत 2 और 4 निर्दलीय चुनाव जीते है। बताया जा रहा है कि 4 निर्दलीय में 3 भाजपा से बागी और एक कांग्रेस से बागी होकर चुनाव लड़े थे। वही गुंडरदेही जनपद में 25 में बीजेपी 10, कांग्रेस 10 और 4 अन्य ने बाजी मारी हैं।

पूर्व गृहमंत्री के भतीजे को हार-नगरीय निकाय चुनाव के बाद त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भी कमल खिला हैं। बालोद की जिला और जनपद पंचायत की सीटों में बीजेपी अधिकृत प्रत्याशी ही जीते हुए नजर आ रहे हैं। गुरूर जनपद में भाजपा ने 21 सीटों में से 16 सीटों पर भाजपा ने कब्जा किया। प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू के भतीजे तोषण साहू को भाजपा के दुर्गानंद साहू ने हरा दिया। दुर्गानंद साहू ने एक हजार 20 वोटों के बड़े अंतर से पूर्व गृह मंत्री के भतीजे को हराया हैं। यह भाजपा की सबसे बड़ी जीत बताई जा रही है।

गुरुर ब्लॉक से कांग्रेस का अस्तित्व खत्म करने का दावा-तोषण साहू को हराने के बाद दुर्गानंद साहू ने कहा जो जीत हासिल हुई है, वो मेरे क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं की जीत है। यहां के मतदाताओं की जीत है। कांग्रेस का भ्रष्टाचार का कार्यकाल रहा है। इसी वजह से कांग्रेस का आज ये स्थिति है। गुरुर ब्लॉक में पूर्व गृहमंत्री के भतीजे को हराकर ये साबित कर दिया है कि अब कांग्रेस का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। दुर्गानंद साहू ने जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष को हराया है। यहां पर हराने के साथ ही उनकी दावेदारी उपाध्यक्ष के सीट पर मानी जा रही है। अध्यक्ष पद के लिए यहां महिला सीट आरक्षित है। वहीं उपाध्यक्ष के सीट के लिए दुर्गानंद साहू का नाम प्रमुखता से रखा जा रहा है।

10 मार्च को जिला पंचायत के प्रथम सम्मेलन का आयोजन- जनपद पंचायत एवं जिला पंचायत के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के निर्वाचन एवं निर्वाचन की अधिसूचना का प्रकाशन तथा प्रथम सम्मेलन आयोजित करने हेतु जिला निर्वाचन के द्वारा समय सारणी जारी की गई है। 27 फरवरी को जनपद सदस्यों के निर्वाचन की प्रकाशन की अधिसूचना और निर्वाचन हेतु निर्वाचित सदस्यों को सूचना जारी की जाएगी, 4 मार्च को प्रथम सम्मेलन की सूचना जारी कर, 7 मार्च को जनपद पंचायत के प्रथम सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 5 मार्च को जिला पंचायत के अध्यक्ष उपाध्यक्ष के निर्वाचन हेतु सम्मेलन की तिथि एवं निर्वाचन के प्रकाशन की अधिसूचना और प्रथम सम्मेलन की सूचना जारी की जाएगी। वहीं 10 मार्च को जिला पंचायत का प्रथम सम्मेलन आयोजन किया जाएगा।

14 में 8 सदस्य भाजपा के जीते-इस बार जिला पंचायत के 14 में 8 आठ सदस्य भाजपा के जीतकर आए हैं, और 5 कांग्रेस व एक निर्दलीय। तो ऐसे में यह माना जा रहा है कि जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी इस बार भाजपा के कब्जे में जाएगी। भाजपा जिला संगठन से मिली जानकारी अनुसार जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 1 से कांति सोनेश्वरी, क्षेत्र क्रमांक 3 से तारिणी चंद्राकर, क्षेत्र क्रमांक 4 से लक्ष्मी साहू, क्षेत्र क्रमांक 6 से प्रभा नायक, क्षेत्र क्रमांक 7 से चुन्नी मानकर, क्षेत्र क्रमांक 10 से तोमन साहू, क्षेत्र क्रमांक 13 से चंद्रिका गंजीर और क्षेत्र क्रमांक 14 से तेजराम साहू ने चुनाव जीता है। वही कांग्रेस से क्षेत्र क्रमांक 5 से गुलशन चंद्राकर, क्षेत्र क्रमांक दो से मीना साहू, क्षेत्र क्रमांक 9 से पूजा साहू, क्षेत्र क्रमांक 8 से राजाराम तारम और क्षेत्र क्रमांक 12 से मिथलेश नुरेटी ने चुनाव जीता है।

एक सीट क्षेत्र क्रमांक 11 में निर्दलीय निलिमा श्याम ने बड़ी जीत दर्ज की है, उन्होंने यहां कांग्रेस से अधिकृत पूर्व मंत्री की भतीजी और भाजपा प्रत्याशी को हराया है। वही बता दे कि क्षेत्र क्रमांक 4 से भाजपा 200 मत और कांग्रेस 350 मत से जितने का दावा कर रही है। अब ये सारणीकरण पश्चात ही स्पष्ट हो पाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मध्यान भोजन का आकस्मिक निरीक्षण : गुणवत्ता परखी गई

रायपुर। शासकीय माध्यमिक शाला जालमपुर के संस्था प्रमुख दीपक शर्मा द्वारा गोकुलपुर स्थित संयुक्त किचन शेड में नगरीय क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए पक रहे मध्यान भोजन का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान आज के मीनू के अनुसार चांवल (पका हुआ), दाल, हरी सब्जी (लौकी चना दाल), और पापड़ विद्यार्थियों को वितरित किया गया। संस्था प्रमुख ने विद्यार्थियों को दिए जाने वाले मध्यान भोजन के गुणवत्ता का परीक्षण करते हुए स्वाद भी चखा। यह मध्यान भोजन प्रधानमंत्री पोषण शक्ति आहार योजना के तहत विद्यार्थियों को प्रदान किया गया है, जिसका उद्देश्य बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है। सभी प्राथमिक और मिडिल स्कूलों में यह पौष्टिक भोजन वितरित किया जा रहा है, जो स्व सहायता समूह और जन चिंतक समूह द्वारा पकाया जाता है और समय पर सभी शालाओं में वितरित किया जाता है। प्रदेश प्रवक्ता, छत्तीसगढ़ कर्मचारी संघ एवं संस्था प्रमुख, जालमपुर द्वारा इस प्रयास की सराहना की गई।

रेलवे कर्मी की हत्या का आरोप, पत्नी और बेटे पर लगा फांसी लगाने का आरोप

रायपुर। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के पदुम नगर में एक रेलवे कर्मी की लाश फंदे से लटकती मिली। मृतक की पहचान एन श्याम (56) के रूप में हुई है, जो रेलवे विभाग में कार्यरत था। गुरुवार की सुबह एन श्याम का शव उसके कमरे में फंदे से लटकता हुआ पाया गया, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस को सूचना देने के बाद, पुरानी भिलाई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस मामले में मृतक की बहन सलोनी ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उनके भाई की हत्या की गई है और इसके लिए उसकी पत्नी और बेटे जिम्मेदार हैं। सलोनी के मुताबिक, उनके भाई के शरीर पर कई चोट के निशान थे, जिससे यह स्पष्ट है कि उसे बेरहमी से पीटा गया और हत्या के बाद शव को फांसी पर लटका दिया गया। सलोनी ने यह भी आरोप लगाया कि पुरानी भिलाई पुलिस उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं कर रही है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि शव का पोस्टमार्टम करवा लिया गया है और पीएम रिपोर्ट आने के बाद मामले की आगे की जांच की जाएगी।

पुरानी रंजिश के चलते भिलाई में तीन युवकों के बीच मारपीट, पुलिस ने की गिरफ्तारी

रायपुर। हाउसिंग बोर्ड कैलाश नगर में नालंदा स्कूल के समीप पुरानी रंजिश के कारण तीन युवकों के बीच जमकर मारपीट हुई। बघवा मंदिर भगवा चौक पर बीच सड़क लाठी-डंडे चलते देख मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने के बाद जामुल पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों युवकों को गिरफ्तार कर थाना लाया। इस मामले में पुलिस ने काउंटर रिपोर्ट दर्ज की है। सुजीत शाह के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 296, 351(2) के तहत तथा निलेश पटेल और संस्कार शुक्ला के खिलाफ 115(2), 296, 3(5), 351(2) के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है और मामले की विवेचना की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, शिवपुरी जामुल निवासी 24 वर्षीय निलेश पटेल ने पुलिस को बताया कि सुजीत शाह ने उसे फोन करके नालंदा स्कूल के पास मिलने बुलाया और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान मारपीट के चलते निलेश के सोने की अंगूठी और घड़ी गिर गई और उसे चेहरे और पीठ में चोटें आईं। वहीं, सुजीत शाह ने भी अपनी शिकायत में कहा कि निलेश पटेल और संस्कार शुक्ला ने पुरानी रंजिश के कारण उसे भी मारा, जिससे उसकी आंख के नीचे और माथे में चोटें आईं। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर मामला दर्ज किया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

शराब घोटाला मामले में कवासी लखमा ने हाइकोर्ट में लगाई अग्रिम जमानत याचिका

रायपुर। प्रदेश के पूर्व मंत्री और कोंटा विधायक कवासी लखमा ने शराब घोटाला मामले में एसीबी (एंटी करप्शन ब्यूरो) की गिरफ्तारी से बचने के लिए हाइकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। इस याचिका पर आगामी दिनों में सुनवाई होगी। इससे पहले, कवासी लखमा ने विधानसभा सत्र में शामिल होने की अनुमति के लिए स्पेशल कोर्ट में आवेदन दिया था, लेकिन कोर्ट ने उनकी अनुपस्थिति को सत्र पर कोई विशेष असर नहीं होने के कारण उनका आवेदन खारिज कर दिया। पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को 15 जनवरी को ईडी ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के सात दिन बाद 21 जनवरी से 4 फरवरी तक उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था। पिछली सुनवाई में, जेल में पर्याप्त बल नहीं होने के कारण उनकी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी हुई थी, और कोर्ट ने उनकी रिमांड 18 फरवरी तक बढ़ा दी थी। इसके बाद 18 फरवरी को हुई सुनवाई में उनकी न्यायिक रिमांड को 4 मार्च तक बढ़ा दिया गया। शराब और कोयला घोटाले के मामले में ईडी ने कई प्रमुख नेताओं और अधिकारियों के खिलाफ एफ्आईआर दर्ज की है, जिसमें कवासी लखमा, अमरजीत भगत, यूडी मिंज, और अन्य नेताओं के नाम शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में विज्ञान और नवाचार की नई क्रांति

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में बनेगी साइंस सिटी

- साइंस सिटी बनेगा वैज्ञानिक शोध और नवाचार का हब, छत्तीसगढ़ विज्ञान के क्षेत्र में रचेगा इतिहास- मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय
- उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ अब शिक्षा, विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में राष्ट्रीय पहचान बनाने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में साइंस सिटी की स्थापना की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ाए जा रहे हैं। नवा रायपुर के सेक्टर-13 में 30 एकड़ भूमि पर बनने वाली इस साइंस सिटी को आधुनिकतम तकनीकों से युक्त किया जाएगा, जो छत्तीसगढ़ को विज्ञान और तकनीक का नया केंद्र बनाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर आज उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के विजन के अनुरूप इस परियोजना को तेजी से और समयबद्ध रूप से पूरा करने की रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक में अपर मुख्य सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग श्रीमती रेणु जी पिल्ले, छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर के महानिदेशक डॉ. एस. कर्मकार सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक और विशेषज्ञ मौजूद रहे। बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के विजन के अनुरूप छत्तीसगढ़ को केवल प्राकृतिक संसाधनों का राज्य नहीं, बल्कि वैज्ञानिक और तकनीकी नवाचारों के केंद्र के रूप में भी विकसित किया जाना है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बैठक में निर्देशित किया कि साइंस सिटी को एडुटेनमेंट (शिक्षा + मनोरंजन) की अवधारणा पर

विकसित किया जाए, जिससे छात्रों, शोधकर्ताओं और आम नागरिकों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रति रुचि विकसित करने का अवसर मिले। बैठक में बताया गया कि साइंस सिटी में कई अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी, जो इसे देश के अग्रणी विज्ञान केंद्रों में शामिल करेंगी। इसमें अंतरिक्ष एवं खगोल विज्ञान केंद्र, स्मार्ट सिटी एवं ग्रीन टेक्नोलॉजी सेक्शन, जलवायु परिवर्तन केंद्र, रोबोटिक्स एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब, एयरोस्पेस रिसर्च सेक्शन, वर्चुअल एक्सपेरिमेंट लैब, थ्रीडी थिएटर और इमर्सिव डिस्प्ले जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल होंगी। इन नवाचारों के माध्यम से छात्रों, शोधकर्ताओं और आम नागरिकों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रति रुचि विकसित करने का अवसर मिलेगा। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि साइंस सिटी सिर्फ एक शैक्षिक संस्थान नहीं, बल्कि यह प्रदेश के युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक केंद्र बनेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि इसमें छात्रों के लिए एक्सपेरिमेंटल लर्निंग ज़ोन बनाए जाएं, जहां वे वैज्ञानिक अवधारणाओं को व्यावहारिक रूप से समझ सकें। बैठक में चर्चा हुई कि साइंस सिटी छत्तीसगढ़ के आर्थिक और सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी। यह न केवल छत्तीसगढ़ में विज्ञान पर्यटन को बढ़ावा देगी, बल्कि यहां के युवाओं और वैज्ञानिकों को वैश्विक स्तर के अनुसंधान और नवाचार के अवसर उपलब्ध कराएगी। साइंस सिटी न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के लिए विज्ञान शिक्षा और नवाचार को नई दिशा देने वाली परियोजना होगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस केंद्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के विज्ञान सम्मेलन और शोध कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे यहां के विद्यार्थी और शोधकर्ता दुनिया के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिकों के साथ काम करने का अवसर प्राप्त कर सकेंगे। बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस परियोजना को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए और इसे भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया जाए। उन्होंने कहा कि साइंस सिटी को नवाचार और अनुसंधान का वैश्विक स्तर का केंद्र बनाने के लिए अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं को शामिल किया जाए।

सभापति पद के लिए दो वरिष्ठ पार्षदों के नाम सबसे आगे.....

रायपुर। संवाददाता

नगर निगम में सभापति के लिए जोड़तोड़ के प्रयासों के आगे अब एक दूसरे को काटने के लिए नई रणनीति के तहत अब जब नेताओं को सबूत के साथ एक दूसरे के अपराधों की सूची भी सौंपी जा रही है,भारतीय जनता पार्टी के सबसे प्रबल दावेदार सूर्यकांत राठौड़ के ख़िलाफ़ जिला न्यायालय रायपुर में जाति का प्रकरण भी चल रहा है, जिसके कारण भाजपा कोई बदनामी मोल नहीं लेना चाहती ग़ौरतलब है कि सूर्यकांत राठौड़ की जाति का प्रमाण पत्र मध्य प्रदेश का बना हुआ है और सन 1994 में मध्य प्रदेश शासन के द्वारा उपरोक्त सर्टिफ़िक्रेट की पुष्टि होना बाक़ी है इसी के आधार पर न्यायालय में जाति के मामले में लेकर उपरोक्त प्रकरण चल रहा भारतीय जनता पार्टी की मुसीबत यह है भारी संख्या में पार्षद जीतकर आये है, उसमें से वरिष्ठ और अनुभव वाले वही वाले पार्षदों को चयन करना है. भारतीय जनता पार्टी को तय करना है जाति के अनुसार संतुलन बनाकर नगर निगम में प्रभावी तरीके से जनता का कार्य हो सके. सूर्यकांत राठौर - सभापति रेस में सूर्यकांत राठौड़ का भी नाम सामने आया है, लेकिन जातिगत राजनीति के चलते सूर्यकांत राठौर का सभापति बनना मुश्किल दिख रहा है, जाति का एक मामला सूर्यकांत राठौर के खिलाफ भी चल रहा है. बीजेपी के मुखर नेता व पार्षद मनोज वर्मा रायपुर निगम के सभापति के लिए प्रबल दावेदार माने जा रहे है, मनोज वर्मा एक ऐसा नेता है जो अपने किए काम से जाने जाते है. इसकी घोषणा जल्द होगी. निकाय चुनाव 2025 में कांग्रेस पार्टी पूरी तरह साफ़ हो गई है, कांग्रेस सभापति के लिए उम्मीदवार खड़े करने की स्थिति में ही नहीं है, अब सभापति के लिए निर्णय भाजपा को ही लेना है. आपको बता दें कि रायपुर निगम अब महिला मेयर के हाथों में है, जिसे देखते सभापति के लिए किसी पुरुष को ही प्राथमिकता दी जाएगी, चूँकि राठौड़ के जाति विवाद में फंसे होने के कारण एक मात्र प्रबल दावेदार मनोज वर्मा और सूर्यकांत राठौड़ ही है, अब फैसला पार्टी को लेना है.

ग्रामीण की हत्या कर कुंए में फेंकी लाश

रायपुर। जिले के ग्राम पसरा में हत्या की सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां ग्रामीण की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर उसकी लाश को कुएं में फेंक दिया गया था। मामला कोटवानी थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार कोटवानी थाना पुलिस को ग्राम पसरा में एक व्यक्ति की कुंए में लाश होने की सूचना मिली। जिसपर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर पंचनामा कार्यवाही कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मृतक की पहचान मुन्ना राम चेरवा (40 वर्षीय) के रूप में हुई है। मृतक की गला रेत कर हत्या की गई तथा उसकी लाश को कुंए में फेंक दिया गया था। हत्या किसने की है अभी इसकी जानकारी नही मिल पाई है। वहीं इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। फिलहाल मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या की धारा के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

विनोद चंद्राकर ने कहा

शहरी क्षेत्र के प्रत्येक गरीब परिवारों को आवास योजना का लाभ दें सरकार.....

- नजूल भूमि पर निवासरत गरीब परिवारों को पट्टा वितरण का कार्य शीघ्र शुरु करें भाजपा

रायपुर/ संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव के समय जो घोषणाएं की थी, वह तो पूरा नहीं कर पाई। उम्मीद है नगर निगम, पालिका, पंचायत चुनाव में शहरी क्षेत्र के निवासियों से किए वादे वह पूर करेगी। क्योंकि, शहरी क्षेत्र के लोगों ने भाजपा पर भरोसा कर प्रदेश के 10 नगर निगम व 36 नगर पालिका में भाजपा के महापौर, अध्यक्ष बनाए हैं। श्री चंद्राकर ने कहा कि भाजपा ने नगरीय निकाय चुनाव में छग के शहरी क्षेत्र के नजूल भूमि में निवासरत लोगों को पट्टा प्रदान करने तथा हर गरीब परिवार को पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने संकल्प पत्र जारी किया था। भाजपा के संकल्प पत्र के अनुसार ऐसे गरीब परिवार भी आवास योजना के लिए पात्र होंगे जो पालिका में नियमित टैक्स का भुगतान कर रहे हैं। जलकर, संपत्तिकर, समेकित कर, नियमित बिजली बिल आदि जमा करने वाले गरीब परिवारों को आवास योजना का लाभ दिया जाएगा। इस लिहाज से अब शहरी क्षेत्र में निवास रत प्रत्येक गरीब परिवारों को पक्का आवास प्रदान करने की दिशा में शीघ्र कार्य शुरू होना चाहिए। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के समय किए वादे पर विफल भाजपा दो-एक वादों को छोड़ संकल्प पत्र में दर्ज अधिकतर घोषणाओं पर अब तक अमल नहीं कर पाई है।

बालको की पहल ने कैंसर के रोकथाम की दिशा में बढ़ाया मजबूत कदम.....

रायपुर/ संवाददाता

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) हर साल, लोगों को कैंसर का समय रहते पता लगाने और उसके रोकथाम के महत्व के बारे जागरूक करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित करता हैं। बालको सक्रिय रूप से अपने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं समुदाय को कैंसर का समय पर पता लगाने और रोकथाम के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है। यह समझते हुए कि महिलाएँ अपने परिवार के स्वास्थ्य की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, बालको कैंसर के प्रति जागरूकता को प्राथमिकता देता है, और यह सुनिश्चित करता है कि वे स्वास्थ्य सम्बन्धित निर्णय लेने के लिए आवश्यक ज्ञान से परिपूर्ण हों। इन जागरूकता वार्ता और सत्रों का उद्देश्य महिलाओं को कैंसर की रोकथाम के बारे में ज्ञान प्रदान करना,और एक स्वस्थ समाज को बढ़ावा देना है। जागरूकता कार्यक्रमों के अलावा, बालको ने स्थानीय समुदायों में कई नि:शुल्क कैंसर जांच शिविर आयोजित किए हैं। इन शिविरों में स्तन, गर्भाशय ग्रीवा, सिर और गर्दन के कैंसर की जांच के साथ-साथ मैमोग्राफी, पैप स्मीयर टेस्ट, ब्रश साइटोलॉजी, विशेषज्ञ परामर्श और सामान्य स्वास्थ्य जांच जैसी आवश्यक सेवाएं प्रदान की जाती हैं। हाल ही में, बालको ने अपनी महिला कर्मचारियों के लिए सब्सिडी वाले एचपीवी टीकाकरण शिविर का भी आयोजन किया था। जिसमे 140 से अधिक कर्मचारियों और व्यावसायिक भागीदारों ने अपनी बेटियों के साथ स्वेच्छा से टीके की पहली खुराक लिया। इस स्वैच्छिक पहल ने बालको की महिला कर्मचारियों को एक स्वस्थ वातावरण में अपने स्वास्थ्य की सक्रिय रूप से रक्षा करने के लिए प्रोत्साहित किया। कैंसर जागरूकता के महत्व के बारे में बात करते हुए, बालको के सीईओ और निदेशक, श्री राजेश कुमार ने कहा, कि कैंसर सिर्फ बीमार व्यक्ति को ही नुकसान नहीं पहुँचाताय यह उसके दोस्तों और परिवार को भी प्रभावित करता है। लोगों को कैंसर के बारे में बताकर, उन्हें इसके बारे में जल्दी पता लगाने में मदद करके और स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करना आसान बनाकर, हम आने वाली समस्याओं को कम करना चाहते हैं।

पंचायत चुनाव में मतगणना के दौरान हालात बेकाबू,पुलिस ने लाठीचार्ज किया काबू

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान दुर्ग जिले के महुदा गांव में वोटों की गिनती के दौरान देर रात तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। चुनाव प्रक्रिया के दौरान हुए विवाद के दौरान एक ओर जहां ग्रामीणों ने पुलिसपार्टी पर पत्थर बरसाये वहीं पुलिस टीम द्वारा भी लाठीचार्ज कर हालात पर काबू किया गया। दूसरे दिन पुलिस के लाठीचार्ज के विरोध में ग्रामीणों ने पाटन एसडीएम कार्यालय का घेराव कर मामले में कार्यवाही की मांग की। बता दें कि महुदा गांव में मतदान के पश्चात सभी एजेंट और मतदान दल के कर्मचारी मतगणना की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान एजेंट के अलावा किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं थी। लेकिन एजेंट के अलावा महुदा के सरपंच मनोज साहू का छोटा भाई राजू साहू मतदान केंद्र के अंदर घुस गया। जिसे लेकर गांव वालों ने हंगामा किया और गांव वालों ने सरपंच मनोज साहू के भाई राजू साहू को बाहर निकालने की मांग की, लेकिन वह बाहर नहीं आया। तब तक ग्रामीण बाहर हंगामा करते रहे और इस दौरान यह सूचना जब अमलेश्वर पुलिस को पहुंची तो अमलेश्वर थाना से 20 से अधिक पुलिस जवान महुदा पहुंचे। जहां भीड़ को हटाने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। वहीं ग्रामीणों ने इसका विरोध करते हुए पुलिस जवानों पर भी पत्थर बरसाए।

विदेशी फंडिंग के दुरुपयोग पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने उठाए गंभीर सवाल

- विदेशी फंडिंग के जरिए धर्मांतरण की गतिविधियों की गहन जांच आवश्यक : मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में कार्यरत कुछ गैर-सरकारी संगठनों को दी गई फंडिंग के दुरुपयोग को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस विदेशी सहायता का उपयोग धर्मांतरण जैसी अवैध गतिविधियों में किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा देश एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है, जहां हर व्यक्ति को अपनी इच्छा के अनुसार धर्म मानने की स्वतंत्रता है। लेकिन जब अशिक्षा, गरीबी, चंगाई या लोक-परलोक के नाम पर लोगों को बहकाकर या प्रलोभन देकर जबरन धर्म परिवर्तन कराया जाता है, तो यह न केवल अनैतिक है, बल्कि संविधान की मूल भावना के भी विरुद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी कहा कि कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां स्वास्थ्य और शिक्षा के नाम पर विदेशी धन प्राप्त करती हैं, लेकिन इसकी आड़ में स्थानीय लोगों को भ्रमित कर, लालच देकर, चंगाई के माध्यम से धर्मांतरण कराती हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इस मामले की गहराई से जांच होनी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन एनजीओ को जिस उद्देश्य के लिए फंडिंग दी जा रही है, उसका सही उपयोग हो रहा है या नहीं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस बात पर भी ध्यान दिलाया कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कार्यकाल की शुरुआत में ही भ्रष्ट को बंद कर दिया था, क्योंकि वहां के करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा था। अब धीरे-धीरे यह खुलासा हो रहा है कि भ्रष्ट के जरिए दी गई विदेशी फंडिंग का भारत में किस तरह से मनमाने ढंग से इस्तेमाल किया गया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री साय ने निर्देश दिया है कि राज्य में कार्यरत उन एनजीओ की गहन जांच की जाए, जिन्हें विदेशी एजेंसियों से वित्तीय सहायता मिली है। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी एनजीओ स्वास्थ्य और शिक्षा के नाम पर विदेशी फंडिंग लेकर किसी भी तरह की अवैध गतिविधि में लिप्त न हो। यदि ऐसा कोई मामला सामने आता है, तो कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए पहले से ही सख्त कानूनों को लागू कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जो भी संगठन, व्यक्ति या संस्था इस तरह की गतिविधियों में लिप्त पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार सभी धर्मों का सम्मान करती है ।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत-सौरभ सिंह

ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्त अगाध जन विश्वास की आंधी में कांग्रेस तिनके की तरह उड़ रही है.....

रायपुर। संवाददाता

भाजपा त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव समिति के प्रदेश प्रभारी सौरभ सिंह ने कहा है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत हुई है। गांवों में भी भाजपा समर्थित पंच, सरपंच, जनपद व जिला पंचायत सदस्यों के रूप में भाजपा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जीतकर आ रहे हैं। भाजपा के प्रति ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्त अगाध जन-विश्वास की आंधी में कांग्रेस तिनके की तरह उड़ रही है और हताश-निराश कांग्रेस नेता घरों में खामोश बैठ गए हैं। प्रदेश में जो विष्णु का सुशासन है, वह पूरे प्रदेश में दिखाई पड़ रहा है। भाजपा के पक्ष में यह ऐतिहासिक परिणाम जनता ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को उनके जन्मदिन पर समर्पित किया है। भाजपा त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव समिति के प्रदेश प्रभारी सौरभ सिंह ने शुक्रवार को एकात्म परिसर में आयोजित प्रेसवार्ता में पंचायत चुनावों के दो चरणों के अब तक घोषित परिणामों में भाजपा की प्रचण्ड जीत का दावा किया. उन्होंने बताया कि पंचायत चुनाव के प्रथम चरण का चुनाव 17 फरवरी को हुआ, दूसरा चरण का चुनाव 20 फरवरी को हुआ और देर रात से उसके परिणाम सुबह तक आ रहे हैं. जिला पंचायत सदस्य के लिए हुए चुनाव में प्रथम चरण में 160 सीटों में से भाजपा 125 सीटों में चुनाव जीती। दूसरे चरण में 124 सीटों के लिए हुए मतदान में 97 सीटों पर भाजपा या हमारे समर्थित लोग चुनाव जीत गए हैं। चार सीटों के परिणाम परिणाम अभी आने शेष हैं। इस तरह प्रथम चरण में जिला पंचायत में हमारा स्ट्राइक रेट 75 प्रतिशत था और द्वितीय चरण में हमारा स्ट्राइक रेट 80 प्रतिशत रहा है। उन्होंने कहा, दूसर चरण के मतदान के बाद ही 11 जिलों में हमें स्पस्ट बहुमत प्राप्त हो गया है। दूसरे चरण के बाद 13-14 जिले ऐसे हैं, जिनमें बहुमत से मामूली अंतर से कुछ दूर है, जबकि कुछ में काउंटिंग बाकी है, उसमें हम आ जाएंगे. इन परिस्थितियों को देखते हुए ऐतिहासिक जीत की ओर भारतीय जनता पार्टी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में प्रदेश की कुल 140 जनपद पंचायतों में से 52 जनपद पंचायत में चुनाव हुए और उसमें 40 जनपद पंचायत में हमारा बहुमत है।

संपादकीय

रिश्तों में क़रीबी, कतर के अमीर की भारत यात्रा

कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमाद अल-थानी की दो दिवसीय भारत यात्रा ने बदलते अंतरराष्ट्रीय समीकरणों के बीच दोनों देशों की बढ़ती करीबी को दिखाया है। उनकी इस यात्रा को भारत में कितनी अहमियत दी गई, यह इसी से स्पष्ट था कि उन्हें रिसीव करने खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एयरपोर्ट गए थे। यह यात्रा ऐसे समय हुई, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की घोषणाओं से न केवल अंतरराष्ट्रीय व्यापार के समीकरणों को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बन रही है बल्कि पश्चिम एशिया में भी नाजुक हालात हो गए हैं। ध्यान रहे कतर, इस्राइल और हमास के बीच मध्यस्थ की भूमिका में रहा है और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के गाजा को खाली कराने संबंधी बयान को लेकर वह असहज है। ऐसे में महत्वपूर्ण है कि मंगलवार को जहां कतर के विदेश मंत्रालय ने कहा कि गाजा के भविष्य का फैसला फलस्तीनी करेंगे, वहीं भारत ने भी फलस्तीन के मुद्दे पर 'टू स्टेट सॉल्यूशन' के फॉर्म्युले को अपना समर्थन दोहराया। इसी संदर्भ में यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत और कतर ने अपने रिश्तों को रणनीतिक साझेदारी का रूप दे दिया है। हाल के वर्षों में खाड़ी देशों के साथ भारत के रिश्तों में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है।

गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल के देशों में सऊदी अरब, यूएई, ओमान और कुवैत के बाद कतर पांचवां देश है, जिसके साथ भारत ने रणनीतिक साझेदारी समझौता किया है। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को अगले पांच साल में दोगुना करने और कतर की ओर से भारत में 10 बिलियन डॉलर का निवेश करने का फैसला तो किया ही है, जीसीसी देशों के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौते पर हो रही प्रगति से अलग द्विपक्षीय स्तर पर भी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। यही नहीं, दोनों देशों ने सीमा पार आतंकवाद समेत सभी तरह के आतंकवाद की निंदा करते हुए उस पर एकजुटता दिखाई। ध्यान रहे, भारत और कतर के रिश्तों में यह बेहतरी अचानक नहीं आई है। वहां करीब 7 लाख प्रवासी भारतीय रहते हैं जो कतर की कुल आबादी का लगभग 25 फीसदी हिस्सा है। दोनों देशों के बीच करीबी सहयोग न केवल द्विपक्षीय हितों के लिहाज से महत्वपूर्ण है बल्कि वैश्विक विवादों को सुलझाने में भी सकारात्मक योगदान कर सकता है।

भागवत की हिन्दू एकता से ही विश्वगुरु बन सकेंगे

भागवत का हिन्दू एकता पर जोर देना न केवल प्रासंगिक है बल्कि यह समय की जरूरत है। क्योंकि लम्बे समय से हिन्दू समाज को तोड़ने की कोशिशों, पडोसी देशों के हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षड़यंत्रों के कारण हिन्दू समाज को संगठित करना जरूरी हो गया है। इस दृष्टि से राष्ट्र-पुरोधा मोहन भागवत का आह्वान एक शक्ति देता है जिसकी रोशनी एक समूची परंपरा एवं संस्कृति को उद्भासित होने का अवसर मिल रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास में कुछ ऐसे विरल सरसंघचालक हुए हैं, संघ के सरसंचालकों की समृद्ध एवं शालीन परंपरा में वर्तमान का बहुचर्चित नाम है मोहन भागवत। उनकी विरलता या महत्ता के प्रमुख मानक हैं- सशक्त राष्ट्रीयता, हिन्दुत्व और लोकहितकारी प्रवृत्तियां। इन तीन सोपानों के आधार पर वे महत्ता के ऊंचे शिखर पर आरूढ़ हो गए। उन्होंने हिंदुत्व की नयी व्याख्याएं दी हैं और उनका ताजा उद्बोधन हिन्दू एकता की नई व्याख्या करते हुए न केवल देश को मजबूत बना रहा है बल्कि भारत को विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर कर रहा है। हिन्दू एकता से ही विश्वशान्ति, विश्वसमृध्दि, विश्वसमन्वय और विश्वएकता संभव।

(ललित गर्ग)

भारत को यदि पड़ोसी शत्रुओं के हाथ में जाने से बचाना है, इस्लामी जेहादी आतंकवादियों से देश की रक्षा करनी है, इस गृहयुद्ध से देश बचाना है, भारत को अखण्ड और एकात्म रखना है तो इसके लिए हिन्दू एकता अत्यावश्यक है।

हिंदू एकता ही समाज, राष्ट्र एवं विश्व में शांति, सद्भाव और प्रगति को सुनिश्चित करती है। साथ ही, यह राष्ट्र की सुरक्षा और विकास के लिए भी ज़रूरी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को हिंदू समाज को एकजुट करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह देश का ''जिम्मेदार'' समाज है जो मानता है कि एकता में ही विविधता समाहित है। भागवत का हिन्दू एकता पर जोर देना न केवल प्रासंगिक है बल्कि यह समय की जरूरत है। क्योंकि लम्बे समय से हिन्दू समाज को तोड़ने की कोशिशों, पडोसी देशों के हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षड़यंत्रों के कारण हिन्दू समाज को संगठित करना जरूरी हो गया है। इस दृष्टि से राष्ट्र-पुरोधा मोहन भागवत का आह्वान एक शक्ति देता है जिसकी रोशनी एक समूची परंपरा एवं संस्कृति को उद्भासित होने का अवसर मिल रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास में कुछ ऐसे विरल सरसंघचालक हुए हैं, संघ के सरसंचालकों की समृद्ध एवं शालीन परंपरा में वर्तमान का बहुचर्चित नाम है मोहन भागवत। उनकी विरलता या महत्ता के प्रमुख मानक हैं- सशक्त राष्ट्रीयता, हिन्दुत्व और लोकहितकारी प्रवृत्तियां। इन तीन सोपानों के आधार पर वे महत्ता के ऊंचे शिखर पर आरूढ़ हो गए। उन्होंने हिंदुत्व की नयी व्याख्याएं दी हैं और उनका ताजा उद्बोधन हिन्दू एकता की नई व्याख्या करते हुए न केवल देश को मजबूत बना रहा है बल्कि भारत को विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर कर रहा है। हिन्दू एकता से ही विश्वशान्ति, विश्वसमृध्दि, विश्वसमन्वय और विश्वएकता संभव। हिन्दू एकता का किसी से विरोध नहीं है। यह सर्वेषां अविरोधेन् है। हिन्दू के लिए सारा विश्व एक कुटुम्ब है। हिन्दू वसुधैव कुटुम्बकम् को मानता है।

भारत को यदि पड़ोसी शत्रुओं के हाथ में जाने से बचाना है, इस्लामी जेहादी आतंकवादियों से देश की रक्षा करनी है, इस गृहयुद्ध से देश बचाना है, भारत को अखण्ड और एकात्म रखना है तो इसके लिए हिन्दू एकता अत्यावश्यक है। हिन्दू एकता में न केवल देश का बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति का हित समाया हुआ है। यद्यपि भारत आज आजाद है; पर हिन्दू समाज आज भी आजाद नहीं है। हिन्दू की गुलामी को दूर करने के लिए हिन्दू एकता आवश्यक है, इसके लिये सभी हिन्दुओं को अपनी जाति, भाषा, प्रान्त, सम्प्रदाय व राजनीतिक दलों के भेदभाव को भूलकर हिन्दू के रूप में एक छत के नीचे आना आवश्यक है तभी हम अपने देश को एक रख पायेंगे और देश की आजादी की रक्षा कर पायेंगे। मोहन भागवत ने अपनी बात को अधिक स्पष्ट करते हुए कहा, भारत सिर्फ भूगोल नहीं है; भारत की एक प्रकृति है। कुछ लोग इन मूल्यों के अनुसार नहीं रह सके और उन्होंने एक अलग देश बना लिया। लेकिन जो लोग स्वाभाविक रूप से यहीं

रह गए, उन्होंने भारत के इस सार को अपना लिया। और यह सार क्या है? यह हिंदू समाज है, जो दुनिया की विविधता को स्वीकार करके फलता-फूलता है। हम कहते हैं 'विविधता में एकता', लेकिन हिंदू समाज समझता है कि विविधता ही एकता है। भागवत ने जिस सत्य को उजागर किया है, वह हजारों साल पहले भी सत्य था और आज भी उतना ही सत्य है। बल्कि नई परिस्थितियों एवं राजनीतिक स्थितियों के साथ उसकी उपयोगिता और अधिक बढ़ी है। क्योंकि भारत से निकले सभी संप्रदायों का जो सामूहिक मूल्यबोध है, उसका नाम 'हिंदुत्व' है। इसलिए संघ हिंदू समाज को संगठित, अजेय और सामर्थ्य-संपन्न बनाना चाहता है। इस कार्य को संपूर्णता तक पहुंचाना ही संघ का उद्देश्य है।

भागवत ने कहा कि भारत में कोई भी सम्राटों और महाराजाओं को याद नहीं करता, बल्कि एक ऐसे राजा को याद करता है जो अपने पिता के वचन को पूरा करने के लिए 14 साल के वनवास पर चला गया-यह स्पष्ट रूप से भगवान श्रीराम का संदर्भ था, और वह व्यक्ति जिसने अपने भाई की पादुकाएं सिंहासन पर रखीं, और जिसने वापस आने पर राज्य सौंप दिया, यह था भरत का समर्पण। हिन्दू धर्म के भगवद गीता, रामायण, महाभारत, और वेद जैसे शास्त्रों एवं ग्रंथों से ऐसे ही नैतिक मूल्यों, मानवता और जीवन के उच्चतम आदर्शों का संदेश मिलता है, इसलिये हिन्दू समाज की एकता जरूरी है। हिन्दू एकता भारत की आत्मा को जाग्रत करेगी। भारत का स्वाभिमान, आध्यात्मिकता और ऋषियों का ज्ञान वापस आयेगा। परिणामस्वरूप देश से भ्रष्टाचार, हिंसा और अनैतिकता दूर होने के रास्ते खुलेंगे। भारत पुनः जगद्गुरु के रूप में विश्व का मार्गदर्शक बनेगा। हमारे शत्रु भी हमसे मित्रता करने के लिए हाथ बढ़ायेंगे। इन सब स्थितियों को देखते हुए हिन्दू एकता एवं उसको संगठित करना जरूरी है, इसके लिये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रयास एक रोशनी है, एक ताकत है।

संघ और हिंदुत्व को लेकर अक्सर उद्देश्यहीन, उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक आलोचनाएं होती रही हैं लेकिन इस तरह की नीति के द्वारा किसी का हित सधता हो, तो ऐसा प्रतीत नहीं होता तथा न ही उससे संघ पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। संघ की ऐसी आलोचना करने वाले समय, शक्ति और अर्थ का अपव्यय करते हैं तथा अपनी बुद्धि के दिवालियापन को उजागर करते हैं। संघ न केवल देश बल्कि दुनिया का बहुचर्चित एवं सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। जो बहुचर्चित होता है उसका विरोध भी होता है। निरूद्देश्य एवं स्तरहीन विरोध, विरोधी विचारधाराओं एवं संगठनों की स्वार्थपूर्ण मनोवृत्ति, ईर्ष्या एवं विध्वंस की नीति का स्वयंभू प्रमाण बन जाता है। संघ एवं मोहन भागवत की आलोचना करने वाले तथा उनके व्यक्तित्व पर कीचड़ उछालने वाले लोग एवं संगठन स्वयं को कमजोर अनुभव करते हुए भी समाज एवं राष्ट्र में प्रतिष्ठित होना चाहते हैं, वे ही ऐसी आलोचना करते हैं। उनकी आलोचनाएं एक जीवंत परंपरा को झुठलाने के असफल प्रयास ही रहे हैं।

हिन्दू एकता के अभाव में ही देश में जेहादी आतंकवाद, तीन करोड़ विदेशी बांग्लादेशियों की घुसपैठ, हिन्दुओं का धर्मान्तरण, गौहत्या, मठ-मंदिरों की सरकारी अधिग्रहण के माध्यम से लूट, हिन्दू संतों और देवताओं का अपमान, नारियों पर अत्याचार-बलात्कार, हिन्दुओं के साथ अंधाधुंध भेदभाव, अन्याय, अत्यन्त सहनशील हिन्दू समाज और महान् हिन्दू धर्म को नष्ट करने के षडयन्त्र बहुत तेजी से बढ़े। हिन्दू एकता से ये बुराइयां स्वयं नष्ट होने लगेंगी। इससे सबसे अधिक लाभ समाज की दौड़ में पिछड़े रह गए बन्धुओं को, गरीबों को और देश के बेरोजगार नवयुवकों को मिलेगा। हिन्दू विरोधी अपने को धर्मनिरपेक्ष घोषित करने वाले राजनेताओं ने भ्रष्टाचार के माध्यम से गरीब जनता के परिश्रम का लाखों करोड़ रुपया हड़पा है। अमेरिकी उद्योगपति जॉर्ज सोरोस जैसी ताकते भारत विरोधी विमर्श गढ़ने के लिये अकूत पैसा झोंक रहे हैं, वही हमारे देश के कुछ राजनीतिक दल उसके हाथों खेल रहे हैं। सिकंदर से लेकर सोरोस तक हुए ऐतिहासिक आक्रमणों एवं साजिशों पर बोलते हुए भागवत ने कहा कि कुछ मुट्ठीभर बर्बर लोगों ने, जो गुणों में श्रेष्ठ नहीं थे, भारत पर शासन किया, तथा समाज में विश्वासघात का चक्र जारी रहा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत का निर्माण अंग्रेजों ने नहीं किया था तथा भारत के विखंडित होने की धारणा अंग्रेजों ने लोगों के मन में डाली थी। लेकिन अब न केवल भारत बल्कि भारत का बहुसंख्य हिन्दू समाज इन साजिशों को नाकाम करने में सक्षम है।

भारत एक 'हिंदू राष्ट्र' है और हिंदुत्व देश की पहचान का सार है। संघ स्पष्ट रूप से देश की पहचान को हिंदू मानता है क्योंकि राष्ट्र की सभी सामाजिक-सांस्कृतिक प्रथाएं इसी के सिद्धांतों से चलती हैं। भागवत के अनुसार 'हिन्दुत्व' ऐसा शब्द है, जिसके अर्थ को धर्म से जोड़कर संकुचित किया है। संघ की भाषा में उस संकुचित अर्थ में उसका प्रयोग नहीं होता। यह शब्द अपने देश की पहचान, अध्यात्म आधारित उसकी परंपरा के सनातन सत्य तथा समस्त मूल्य सम्पदा के साथ अभिव्यक्ति देने वाला शब्द है। संघ मानता है कि 'हिंदुत्व' शब्द भारतवर्ष को अपना मानने वाले, उसकी संस्कृति के वैश्विक व सार्वकालिक मूल्यों को आचरण में उतारना चाहने वाले तथा यशस्वी रूप में ऐसा करके दिखाने वाली उसकी पूर्वज परम्परा का गौरव मन में रखने वाले सभी 150 करोड़ लोगों पर लागू होता है। मोहन भागवत ने फिर हिन्दू एकता का आह्वान किया है। आओ, फिर एक बार जागें, संकीर्णता एवं स्वार्थ की दीवारों को ध्वस्त करें। (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं)

दिल्ली की किस्मत 'रेखा' से एनसीआर की अपेक्षाएं

(कमलेश पांडे)

लिहाजा, अब यह रेखा गुप्ता पर निर्भर करेगा कि हरियाणा-उत्तरप्रदेश की भाजपा सरकारों को साधकर वह दिल्ली-एनसीआर वासियों के दूरगामी हित कितने महत्वपूर्ण कदम उठा पाती हैं। वहीं यदि वह राजस्थान और उत्तराखंड की भाजपा सरकारों को भी साध लें तो दिल्ली-एनसीआर वासियों का ज्यादा भला कर पाएंगी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से न केवल दिल्ली वासियों बल्कि एनसीआर के लोगों की अपेक्षाएं बढ़ चुकी हैं। क्योंकि दिल्ली-एनसीआर के इतिहास में संभवतया यह पहला मौका है जब दिल्ली और उसके पड़ोसी राज्य हरियाणा और उत्तरप्रदेश में भी भाजपा की सरकार है। चूंकि दिल्ली और एनसीआर के शहरों यथा- गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, फरीदाबाद, गुरुग्राम, रोहतक, सोनीपत आदि में चोली-दामन का सम्बन्ध बन चुका है, इसलिए दिल्ली के मुख्यमंत्री से सबकी सकारात्मक अपेक्षाएं रहती आई हैं।

लिहाजा, अब यह रेखा गुप्ता पर निर्भर करेगा कि हरियाणा-उत्तरप्रदेश की भाजपा सरकारों को साधकर वह दिल्ली-एनसीआर वासियों के दूरगामी हित कितने महत्वपूर्ण कदम उठा पाती हैं। वहीं यदि वह राजस्थान और उत्तराखंड की भाजपा सरकारों को भी साध लें तो दिल्ली-एनसीआर वासियों का ज्यादा भला कर पाएंगी। ध्रुवसत्य है कि जब लोगों की रोजमर्रा की जरूरतें किसी नेता के एजेंडे में शामिल हो जाती हैं तो दोनों का संतुलित विकास होता है।

ऐसे में यदि भाजपा और उसके तीनों-चारों मुख्यमंत्री जनहित में 'ग्रेटर दिल्ली' बनाने की पहल करे तो एनसीआर वासियों के लिए इससे बड़ी खुशी की बात कुछ हो ही नहीं सकती। क्योंकि ऐसा होने से जहां गाजियाबाद-गौतमबुद्धनगर के लोगों को लखनऊ-प्रयागराज-कानपुर के चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी, वहीं फरीदाबाद-गुरुग्राम-रोहतक-सोनीपत के लोगों को चंडीगढ़ जाने से मुक्ति मिलेगी।

वहीं, जो लोग अब तक यह कहते आए हैं कि दिल्ली का न अपना मौसम है, न पानी है, उनकी यह शिकायत भी दूर हो जाएगी। क्योंकि ग्रेटर दिल्ली के पास अपना मौसम और अपना पानी दोनों हो जाएगा। निर्बाध विद्युत आपूर्ति में भी कोई बाधा नहीं आएगी। सड़कें चकाचक हो जाएंगी। यही नहीं, ग्रेटर दिल्ली बनने से यहां की लोकसभा सीटें बढ़ेंगी, विधानसभा सीटें बढ़ेंगी, नगर निगम का आकार बढ़ेगा और यहां विधान परिषद के गठन की भी बात बढ़ेगी। इसके अलावा, यहां न केवल अपराध पर लगाम लगाया जा सकेगा, बल्कि दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के संतुलित विकास में भी मदद मिलेगी। इसलिए भले ही हरियाणा सरकार, उत्तरप्रदेश सरकार या राजस्थान सरकार ग्रेटर दिल्ली बनाने के लिए अपने विकसित शहर व जनपद देने को राजी न हों, लेकिन दिल्ली-एनसीआर वासियों के भावी हितों के मद्देनजर केंद्र सरकार को इसके लिए खुले दिल से विचार करना चाहिए। यह मुद्दा कोई कपोलकल्पित बात नहीं है, बल्कि जब तब चुनावों में उठता भी आया है। इस बार दिल्ली में भाजपा सरकार बनवाने के पीछे लोगों के जेहन में भी यह बात रही है। चूंकि मोदी हैं तो मुमकिन है, इसलिए ये वाला फॉर्मूला यहां भी लागू होना चाहिए।

यदि ऐसा होता है तो दिल्ली की दो बड़ी समस्याओं- यमुना नदी प्रदूषण और वायु प्रदूषण का भी ठोस समाधान निकल पाएगा। यहां के उद्योगों के विस्तार के लिए भूमि और जनसंख्या की किल्लत भी महसूस नहीं होगी। एक सीजीएसटी और चार एसजीएसटी से भी उद्यमी बच जाएंगे। चूंकि दिल्ली को छोटा हिंदुस्तान करार दिया जाता है, इसलिए इसका दायरा भी थोड़ा बड़ा हो जाएगा। इससे विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक विकास में भी यहां मदद मिलेगी। यदि आप देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर नजर डालेंगे तो अधिकांश जगहों पर भाजपा और एनडीए की सरकार मिलेगी। इसलिए उनसे तालमेल बिठाकर भी ग्रेटर दिल्ली के सपने को साकार किया जा सकता है।

वहीं, दिल्ली-एनसीआर के कूड़े-कचरों का भी सही समायोजन हो पाएगा। दिल्ली के तीनों कूड़े के पहाड़ों को 100-150 किलोमीटर दूर ले जाने में भी मदद मिलेगी।वाकई, दिल्ली-एनसीआर का भौगोलिक क्षेत्र जितना बड़ा है, यदि उसे ग्रेटर दिल्ली में सम्मिलित कर लिया जाए तो इस दिल्ली प्रदेश के विकास में आशातीत उन्नति होगी। ऐसा इसलिए कि अमूमन यहां के लोग एक दिन में दो-तीन-चार-पांच प्रदेशों का दौरा कारोबारी, राजनीतिक, समाजसेवा या व्यक्तिगत कारणों से करते हैं, इससे उन्हें सभी राज्यों को अलग-अलग टैक्स/टोल टैक्स आदि भी देना पड़ता है, जिससे यहां के उत्पाद महंगे हो जाते हैं।

यदि ऐसा हुआ तो यहां के लोगों को रोजगार भी ज्यादा मिलेगा। ऐसा देखा जाता है कि एनसीआर के शहरों को सलीके से लूटने के लिए इनके इनके प्रदेश मुख्यालयों में गिरोह सक्रिय रहता है। लिहाजा ग्रेटर दिल्ली बनने से इस घटिया मानसिकता से भी मुक्ति मिलेगी। चूंकि आप और कांग्रेस से चुनावी प्रतिस्पर्धा में भाजपा ने कई फ्रीबीज की घोषणाएं की हैं, इसलिए उनको भी एक एक करके पूरा करवाने की जिम्मेदारी रेखा गुप्ता के कंधों पर होगी। दिल्ली में सड़कों का निर्माण, शिक्षा व जनस्वास्थ्य व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण, झुग्गी-झोपड़ियों का विकास, अवैध से वैध हुई कॉलोनियों में पार्क, सामुदायिक भवन, शौचालय, पेयजल आदि जनसुविधाओं की बहाली पर भी रेखा गुप्ता सरकार को तुरंत फोकस करना होगा, क्योंकि दिल्ली के मतदाता जागरूक बहुत हैं। चूंकि रेखा गुप्ता हरियाणा मूल की भाजपा नेत्री हैं, अग्रवाल वैश्य समाज से आती हैं।

नगर निगम में भ्रष्टाचार और बिल्डरों की मनमानी पर सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी, लेकिन कुछ भी नहीं बदलेगा?

दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तो यह है कि भ्रष्टाचार को खत्म करने के तमाम दावों के बावजूद आम लोगों का रिश्वत दिए बिना कोई काम हो पाना, आज भी उतना ही मुश्किल है जितना कई वर्षों या दशकों पहले हुआ करता था। हालत यह है कि कोई भी व्यक्ति अपना निजी रिहायशी मकान बनवाने के लिए जैसे ही घर के सामने रेत,रोड़ी,बदरपुर और ईंट मंगवाते हैं वैसे ही पुलिस और नगर निगम अथवा विकास प्राधिकरण का कोई न कोई बंदा रिश्वत की मांग को लेकर पहुंच जाता है। लेकिन इन्ही के इलाके में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण होते रहते हैं, बिल्डरों की मनमानी चलती रहती है और ये चुप्पी साध कर बैठे रहते हैं। दिल्ली से सटे गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर जैसे जिलों में तो हालात कहीं ज्यादा भयावह और बेकाबू हो चुके हैं।

(संतोष पाठक)

राजधानी दिल्ली की हालत भी इस मामले में बेहतर नहीं है। दिल्ली नगर निगम के कामकाज के बारे में तो सब जानते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली नगर निगम पर जिस तरह की तल्ख टिप्पणी कर दी है, उससे एक बार फिर से एमसीडी की कड़वी सच्चाई बाहर आ गई है।

इस देश के किसी भी शहर के किसी भी नगर निगम या विकास प्राधिकरण के कार्यालय चले जाइए, बाहर घूमते दलालों की फौज यह बताते हुए नजर आती है कि वहां किस पैमाने पर भ्रष्टाचार फैला हुआ है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तो यह है कि भ्रष्टाचार को खत्म करने के तमाम दावों के बावजूद आम लोगों का रिश्वत दिए बिना कोई काम हो पाना, आज भी उतना ही मुश्किल है जितना कई वर्षों या दशकों पहले हुआ करता था। हालत यह है कि कोई भी व्यक्ति अपना निजी रिहायशी मकान बनवाने के लिए जैसे ही घर के सामने रेत,रोड़ी,बदरपुर और ईंट मंगवाते हैं वैसे ही पुलिस और नगर निगम अथवा विकास प्राधिकरण का कोई न कोई बंदा रिश्वत की मांग को लेकर पहुंच जाता है। लेकिन इन्ही के इलाके में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण होते रहते हैं, बिल्डरों की मनमानी चलती रहती है और ये चुप्पी साध कर बैठे रहते हैं। दिल्ली से सटे गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर जैसे जिलों में तो हालात कहीं ज्यादा भयावह और बेकाबू हो चुके हैं। शहरीकरण की अंधी दौड़ में भ्रष्टाचार और बिल्डरों की मनमानी के कारण आम लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है।

देश की राजधानी दिल्ली की हालत भी इस मामले में बेहतर नहीं है। दिल्ली नगर निगम के कामकाज के बारे में तो सब जानते हैं। अब सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली नगर निगम पर जिस तरह की तल्ख टिप्पणी कर दी है, उससे एक बार फिर से एमसीडी की कड़वी सच्चाई बाहर आ गई है। सुप्रीम कोर्ट ने चांदनी चौक में अवैध निर्माण को लेकर दिल्ली नगर निगम की निष्क्रियता पर गंभीर टिप्पणी करते हुए यहां तक कह दिया कि क्या दिल्ली नगर निगम बिल्डरों मानकर मामले को बंद कर देता है। क्या नगर निगम बिल्डरों के हाथ में चल रहा है ? सर्वोच्च न्यायालय ने सीबीआई से जांच करवाने की बात कहते हुए दिल्ली नगर निगम को कारण बताओ नोटिस भी जारी कर दिया है,जिसमें यह पूछा गया कि मामले की गहन जांच क्यों न कराई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में

के हाथ में चल रहा है ? सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच के सामने सोमवार को एक मामले में दिल्ली नगर निगम ने तर्क दिया कि हाई कोर्ट के आदेश के बाद अवैध निर्माण को हटा दिया गया था और इसकी रिपोर्ट भी उपलब्ध है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम के रवैये पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि, कोई पीआईएल दायर करता है, तब जाकर आप जागते हैं और दिखावे की कार्रवाई करने लगते हैं। हाई कोर्ट भी आपकी बातों को केवल मौके का मुआयना ही काफी नहीं है, बल्कि दिल्ली नगर निगम की कार्यप्रणाली की भी जांच होनी चाहिए, ताकि यह पता चल सके कि अवैध निर्माण की अनुमति किन कारणों से दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को आर्किटेक्ट एवं इंजीनियर जैसे स्वतंत्र विशेषज्ञों के नाम सुझाने को भी कहा है, जो साइट का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट दे सके। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट सीबीआई जांच को लेकर अपना फैसला दे सकती है। क्योंकि दिल्ली नगर निगम के बयान पर दिल्ली हाई कोर्ट इससे पहले बाग दीवार, फतेहपुरी, चांदनी चौक में अवैध निर्माण को हटाने संबंधी याचिका का निपटारा कर चुका है। यानी अवैध निर्माण को लेकर पीआईएल दायर होने के बाद ही दिल्ली नगर निगम जागती है, थोड़ी-बहुत कार्रवाई का दिखावा कर रिपोर्ट जमा कर देती है और हाई कोर्ट उस याचिका का निपटारा कर देता है। लेकिन इससे न तो बिल्डरों के रवैये में कोई बदलाव आता है और न ही दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के रवैये में।

ऐसे में एक बार फिर से यही सवाल उठ कर सामने आ रहा है कि क्या अवैध निर्माण को लेकर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जानी चाहिए। जिन अधिकारियों के कार्यकाल में इस तरह के अवैध निर्माण होते हैं,क्या उनके लिए भी सजा का कोई प्रावधान नहीं होना चाहिए। दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में तो प्लाटिंग करके जमीनों को लोगों को बेच दिया। कई जगह पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए बेचा गया और कई जगह बकायदा रजिस्ट्री भी करवाई गई लेकिन वर्षो बाद उसे सरकारी जमीन बता दिया जाता है। तो ऐसे में क्या उस दौरान इन जिलों में तैनात रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होनी चाहिए ? जरूर होनी चाहिए, बल्कि अगर ऐसे अधिकारी रिटायर भी हो गए हों तो भी उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। तभी भ्रष्टाचार और अवैध निर्माण के इस जिन्न को बोतल में बंद करने में कामयाबी मिल पाएगी। अगर ऐसा नहीं होता है तो तय मान कर चलिए कि भ्रष्टाचार, अवैध निर्माण और बिल्डरों की मनमानी के खिलाफ सब लफ्फाजी ही कर रहे हैं।(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर, एसपी ने किया पाली महोत्सव आयोजन स्थल का निरीक्षण

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसंत और पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने पाली के केराझरिया में 26 और 27 फरवरी को आयोजित होने वाले दो दिवसीय पाली महोत्सव के आयोजन की तैयारियों के संबंध में कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। यहाँ उन्होंने मंच, बैठक व्यवस्था हेतु की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने पार्किंग, वीआईपी बैठक व्यवस्था, विभागीय स्टॉल सहित अन्य व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने कार्यक्रम के आयोजन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति के लिए मंच में आवश्यक व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने यहाँ पेयजल व्यवस्था, शौचालय, कलाकारों के ठहरने की व्यवस्था और प्रवेश पास के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने 26 फरवरी को आयोजित होने वाली साइकिल रेस प्रतियोगिता की तैयारी के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने आपात स्थिति की तैयारी हेतु एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहन की व्यवस्था के संबंध में भी निर्देशित किया। एसपी तिवारी ने पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय, जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, अपर कलेक्टर मनोज कुमार, एसडीएम सीमा पात्रे, एडिशनल एसपी, पीडब्ल्यूडी समेत अन्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

विश्वव सामाजिक न्याय दिवस पर जागरूकता शिविर का आयोजन

कोरबा। छ.ग. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के स्टेट प्लान आफएक्शन के अनुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा (छ.ग.) के निर्देशानुसार 20 फरवरी को विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर जयदीप गर्ग, विशेष न्यायाधीश (एस.सी.एस.टी.) पीए एक्ट कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.) की अध्यक्षता में जैन पब्लिक स्कूल, गोढ़ी, जिला कोरबा (छ.ग.) में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जयदीप गर्ग, विशेष न्यायाधीश (एस.सी.एस.टी.) पीए एक्ट कोरबा द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि इंसान केवल उन्हीं गलतियों को सुधार सकता है, जिन गलतियों को वह मन से मानता है। नियम-कानून हमारे लाभ के लिए ही बने हैं। उन्होंने गुड टच बेड टच के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि लड़कियों के साथ-साथ लड़के भी असुरक्षित है। इसलिए बच्चों को अंधेरे में, अकेले में निकलने से बचने की सलाह दी गई। साथ ही गलत व्यवहारधिनयत का विरोध तुरंत करने हेतु सलाह दी गई। अपने उद्बोधन में उन्होंने आगे मानव अधिकार के बारे में जानकारी देते हुये बताया कि हमारे हर अधिकार के ऊपर लिमिटेशन है। जैसे विचार व्यक्त करने की अभिव्यक्ति का अधिकार इंसान को तो है परंतु जो शब्द दूसरों को क्षुब्ध करें ऐसे शब्दों का प्रयोग करने का अधिकार उन्हें नहीं है। इंसानों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार तो है, परंतु दूसरों के धर्म को अपमानित करने का अधिकार नहीं है। मानव को अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक वह अपने कर्तव्यों का पूर्ण रूप से निर्वहन न करे। मानव को गाड़ी चलाने का अधिकार तो है, परंतु 18 वर्ष से कम उम्र में यह अधिकार नहीं है और न ही शराब पीकर या नशे में गाड़ी चलाने का अधिकार है। बच्चों को शिक्षा का अधिकार तो है, परंतु उन्हें संबंधित स्कूल के ड्रेस एवं नियम-कानून पर चलने की भी बाध्यता है। मान. महोदय जी के द्वारा मोटर दुर्घटना से बचने के लिये हेलमेट की महत्वपूर्णता के बारे में भी जानकारी दी गई। उक्त कार्यक्रम में श्री सिद्धार्थ राजवाड़े, एडमिन ऑफिसर, जैन पब्लिक स्कूल, कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी एवं पैरालीगल वॉलिण्टियर, जैन पब्लिक स्कूल के शिक्षकगण सहित 70 छात्र-छात्रायें सहित उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के द्वारा मोर यान अधिनियम के प्रमुख प्रावधानयुक्त नोटपेट का वितरण छात्र-छात्राओं को किया गया।

टंगिए से हमला कर पत्नी को उतारा मौत के घाट

कोरबा। कोरबा जिले के पसान थाने अंतर्गत कोरबा क्षेत्र के ग्राम बगबुडी गांव में 70 साल के निवासी महासिंह पिता स्वर्गीय रघुनाथ सिंह ने अपने पत्नी दसमतिया बाई 60 वर्ष को टंगिए से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। मिली जानकारी के अनुसार दोनों ने एक साथ भोजन के पूर्व शराब का सेवन किया। इसके बाद किसी बात को लेकर दोनों में कहा-सुनी हुई और आधी रात को आवेश में आकर महासिंह ने टंगिए से जानलेवा हमला कर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। सुबह होते ही हत्यारा महासिंह अपने परिवारजनों को घटने की सूचना देकर पुलिस चौकी जाने के नाम से निकला। तत्पश्चात घटना की खबर उसके परिवारजनों ने सरपंच जोहन सिंह एवं निर्वाचित सरपंच पति अजय कुमार को अवगत कराया। खबर मिलते ही चौकी प्रभारी अफसर हुसैन खान ने फौरन घटना स्थल रवाना होकर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु पोड़ी उपरोड़ा रवाना किया। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त आरोपी की कोई संतान नहीं है और वह शराबी किस्म का व्यक्ति था।

रात के 12 बजे रोका गया बाल विवाह बारात को लौटना पड़ा खाली हाथ

दो बालिका को रेस्क्यू कर लाया गया सखी वन स्टाप सेंटर

■ जिला प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा दो दिन में रोके गये 04 बाल विवाह

सूरजपुर संवाददाता/ कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के दिशा निर्देश एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू के मार्गदर्शन में जिला सूरजपुर को बाल विवाह मुक्त बनाने की ओर कठोरता के साथ लगा हुआ है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू के मार्गदर्शन मे संयुक्त टीम हर परिस्थिति में काम कर रही है। ग्रामीण भी विभाग की परीक्षा लेने में कोई कोर कसर नही छोड रहे हैं वर्तमान मामले में रात्रि 9 बजे एक ग्रामीण द्वारा सूचना दी गई की भटगांव थाना अन्तर्गत एक गांव में एक नाबालिग लड़की का विवाह हो रहा है साथ ही उसी मंडप में छोटी बहन का भी विवाह करने की तैयारी की जा रही है जो 8 वीं कक्षा में पढ रही है जानकारी प्राप्त होने पर जिला कार्यक्रम अधिकारी को इसकी जानकारी दी गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू द्वारा संयुक्त टीम बना कर तत्काल विवाह रोकने का निर्देश प्राप्त हुआ। जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जायसवाल के नेतृत्व में संयुक्त टीम 11 बजे मौके पर पहुंची। पंचायत चुनाव के कारण पुलिस बल भी ज्यादा नहीं मिला, घर के दरवाजे पर बारात लग गई थी और डीजे में बाराती नाच रहे थे। घर में मेहमानो की भीड लगी हुई थी। घर पर टीम के पहुचने पर घराती और बाराती सभी आंगन मे इकट्ठे हो गये थे। बडी बहन को टीम के सामने प्रस्तुत किया गया। शैक्षणिक दस्तावेज मांगने पर बताया गया कि बालिका नही पढी है। फिर बताया गया कि सभी दस्तावेज को दीमक चट कर गया है। रात्रि में बीईओ भैयाथान से बात कर प्राथमिक शाला के शिक्षक को स्कूल खुलवा कर दस्तावेज मांगने पर पता चला कि दोनो लडकीयाँ उसी स्कूल में पढी है एक 16 वर्ष की है तो दूसरी 15 वर्ष भी नही है छोटी लडकी को बुलाने को बोलने पर बताये की वह घर पर नही है टीम द्वारा समझाईस देने पर लडकी को प्रस्तुत किया गया । दोनो से अलग-अलग पूछ ताछ में दोनो लड़कियां एक ही लडके के साथ विवाह की बात करने लगे। टीम को बरगलाने की कोशिश के दौरान उनके हाथ में मेंहदी लगा पाया गया जिसमें लडके का नाम था दोनो के हाथ देखने पर अलग अलग लडको के नाम थे तब जाकर उन्होने दोनो के विवाह करने को स्वीकार किया । सभी शराब के नशे में थे। लडकीयों को छोडने पर बाल विवाह की सम्भावना पुरी थी। दूल्हे और बारातीयों को बुलाने पर दुल्हे समेत सभी बाराती गाडी, डीजे लेकर भाग खड़े हुए। घर वाले लडकियों के विवाह को आमादा थे। तब लडकीयों को सखी ले जाने का पंचनामा तैयार किया गया। लडकीयों जाने को तैयार नही थी। थाने में रिर्पोट करने और सभी पर कार्यवाही हो जाने की बात पर वे टीम के साथ आये महिला कर्मचारीयों के द्वारा बच्चियों को सुरक्षित सखी वन स्टाप सेन्टर में रखा गया। मामले में संयुक्त टीम को काफी जद्दोजहद का सामना करना पडा मुश्किल से उक्त बाल विवाह को देर रात्री 2 बजे रोका जा सका।वही दूसरे दिन सूचना प्राप्त हुई की रामानुजनगर थाना अंतर्गत एवं ओडगी विकासखण्ड के एक गाम में नाबालिक का विवाह होने जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी के निर्देश पर दोनो जगह संयुक्त टीम रवाना हुई। रामानुजनगर गई टीम ने गांव मे जाकर समझाइश दी और बाल विवाह रोकवाया, वहीं दुरस्त ओडगी के ग्राम में भी एक 17 वर्षीय लडकी का बाल विवाह समझाईस देकर रोका गया।

औद्योगिक क्षेत्र नयनपुर-गिरवरगंज और नवीन औद्योगिक क्षेत्र जूर का कलेक्टर ने किया गया निरीक्षण

सूरजपुर संवाददाता। आज जिले के कलेक्टर श्री एस जयवर्धन द्वारा औद्योगिक क्षेत्र नयनपुर-गिरवरगंज स्थित बॉयल्ड राइस मिल पर आधारित इकाई मेसर्स अमन एग्रोइंडस्ट्रीज, बॉयोमॉस पर आधारित 10 मेगावाट का इकाई मेसर्स इन्द्रापावरजेन प्रा0लि0 एवं टी0एम0टी0बार पर पर आधारित इकाई मे0यू0बी0वेंचर्स प्रा0लिमि0 का निरीक्षण कर इकाइयों की समस्या एवं स्थानीय रोजगार के संबंध में इकाई संचालको से चर्चा की गई, तत्पश्चात् नवीन औद्योगिक क्षेत्र, जूर में उद्योग विभाग को आवंटित भूमि का स्थल निरीक्षण कर भूमिका विकास हेतु एवं राष्ट्रीय मार्ग तक वैकल्पिक पहुँच मार्ग का सर्वे रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु तहसीलदार, भैयाथान एवं उद्योग विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस दौरान जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सूरजपुर के महाप्रबंधक, प्रबंधक एवं राजस्व अधिकारी तथा ग्राम-जूर के सरपंच एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे ।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19 वीं किस्त खाते में जमा

■ 1.05 लाख किसानों को मिला फ़ायदा

बिलासपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त की राशि जारी किया गया । उक्त हेतु भागलपुर (बिहार) में वृहद किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया है, जिसका प्रसारण वेबकास्ट के माध्यम से किया गया । दिवस को ''किसान सम्मान समारोह'' के रूप में मनाया गया । जिला स्तर पर कृषि महाविद्यालय बिलासपुर के आडिटोरियम में जिला स्तरीय किसान सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू जी एवं विशिष्ट अतिथि श्री अरूण सिंह चौहान, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, श्री दीपक सिंह एवं अन्य जनप्रतिनिधि, श्री अनिल कौशिक सहायक संचालक कृषि, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, विभागीय अधिकारीगण एवं मैदानी स्तर पर स्थानीय जन प्रतिनिधियों की सहभागिता रही है । इसी प्रकार विकासखण्ड स्तर पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय में तथा ग्राम स्तर पर ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी मुख्यालय एवं पंचायत भवन किसान सम्मान समारोह'' मनाया गया । विदित हो कि पी.एम.किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत जिले के 104977 किसानों को उनके बैंक खाते में कुल 22.21 करोड़ राशि का सीधा हस्तातंरण किया गया।

लकड़ी तस्करी बंद करने की मांग को लेकर शिवसेना ने दिया ज्ञापन लकड़ी तस्करी में लगे अन्य राज्यों के वाहनों की जांच हो-विष्णु वैष्णव

सूरजपुर संवाददाता। लकड़ी तस्करी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर शिवसेना(उद्धव गुट)के जिला प्रमुख विष्णु वैष्णव के नेतृत्व में पदाधिकारीयों ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर ज्ञापन दिया साथ में आवेदन की प्रतिलिपि वन मंडलाधिकारी,एसडीएम, व जिला परिवहन अधिकारी अधिकारी को दी गई। शिवसेना के जिला प्रमुख ने बताया कि सूरजपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण को गंभीर संकट उत्पन्न हो रहा है। छत्तीसगढ़ के बाहर से आकर वनतस्कर यूकेलिप्टस पेड़ो की कटाई की आड़ में हरे-भरे वृक्षों व अन्य कीमती वर्गों के पेड़ो को बिना स्थानीय प्रशासन के अनुमती के काटकर गोदामों में एकत्रित कर अन्य प्रदेशों में परिवहन के माध्यम से तस्करी कर ले जा रहे है जिससे सरगुजा संभाग के पर्यावरण को क्षति पहुंच रहा है। उन्होंने आगे कहा कि इन तस्करों के द्वारा जिन वाहनों का प्रयोग किया जा रहा है उन वाहनों की स्थिति भी बेहद खराब है जिसके चलते हमेशा दुर्घटना का आसार बना हुआ रहता है। इन पेड़ों को काटने की अनुमती से लेकर इनके द्वारा प्रयोग किये जा रहे वाहनों के इंश्योरेंस फिटनेश, प्रदुषण की जांच होनी चाहिए तथा इस बात की भी पुष्टी कि जाय कि तस्करों द्वारा जो वाहन इस्तेमाल में लिया जा रहा है वो कमर्शियल है या एग्रीकलचर है। शिवसेना ने अपने ज्ञापन में कहा कि इस मामले में जांच कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए अन्यथा पर्यावरण के संरक्षण के लिये शिवसेना सडकों पर उतरकर आन्दोलन करने व वनतस्करों के खिलाफ सीधे संघर्ष में उतरने के लिए बाध्य होगी।

बिलासपुर मंडल में निराला जयंती का आयोजन किया

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए समय-समय पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है । आज इसी कड़ी में मंडल हिंदी पुस्तकालय में वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री साकेत रंजन की अध्यक्षता में निराला जयंती मनाई गई । इस अवसर पर विभिन्न विभागों के साहित्य अनुरागी कर्मचारीगण उपस्थित थे । अध्यक्ष महोदय द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । तत्पश्चात उनके द्वारा मां सरस्वती एवं निराला जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। श्री राकेश श्रीवास, लोको पायलट गूड्स बिलासपुर, श्री डी एन रवि, सीनियर ट्रेन मैनेजर बिलासपुर ने निराला जी की जीवनी एवं साहित्यिक सफर पर प्रकाश डाला । श्री घनश्याम विश्वकर्मा कार्यालय अधीक्षक एवं श्री घनश्याम सिंह राज, कार्यालय अधीक्षक ने उनकी कालजयी कविताओं का पाठ किया । प्रभारी राजभाषा अधिकारी एवं सहायक कार्मिक अधिकारी श्री राघवेन्द्र सिंह ने निराला जी की जीवन के अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला । उन्होंने निराला जी की कुकुरमुत्ता कविता के प्रमुख अंश का काव्य पाठ किया । अध्यक्ष महोदय ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि हम साहित्यकारों की जयंतियां मनाकर उनके कालजयी रचनाएं एवं उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं । निराला जी के जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि इंसान के जीवन में कितनी भी विषम परिस्थितियाँ आएं , उनका मुक़ाबला संयम एवं धैर्य से करना चाहिए । उन्होने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए राजभाषा विभाग की सराहना करते हुये कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित की जाए ताकि कर्मचारीगण राजभाषा एवं साहित्यिक गतिविधियों से जुड़े रहें ।

बोर्ड परीक्षा से संबंधित गोपनीय सामाग्री का वितरण सह प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

गौरेला पेंड्रा मरवाही। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी की अध्यक्षता में आज जिला समन्वय परीक्षा केन्द्र स्वामी आत्मानंद शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पेंड्रा में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हाई स्कूल, हायर सेकण्डरी, पत्रोपाधि सर्टिफ्किेट परीक्षा 2025 की गोपनीय सामाग्री का वितरण किया गया। इसके साथ ही प्रशिक्षण कार्यशाला भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर एवं बोर्ड परीक्षा के जिला नोडल अधिकारी श्री डी आर डाहिरे और जिला शिक्षा अधिकारी श्री जे के शास्त्री उपस्थिति थे। कार्यक्रम में सर्व प्रथम मण्डल द्वारा आये हुये पार्टी ऑफ्सिर के द्वारा जिले के समस्त केन्द्राध्यक्षों को गोपनीय सामाग्री एवं चेकलिस्ट का वितरण किया गया। तत्पश्चात् दोपहर 2 बजे से जिला मास्टर ट्रेनर श्री एल पी डाहिरे एवं श्रीमती आरती तिवारी प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टीकरकला गौरेला के द्वारा पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से सिलसिले वार परीक्षा संबंधी निर्देशों एवं विगत वर्ष 2024 में पाई गई त्रुटियों के संबंध में जानकारी दी गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि शिक्षण सत्र 2025 में जिले में बोर्ड परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थियों में 3912 छात्र हाई स्कूल से तथा 2653 छात्र हायर सेकण्डरी स्कूल में नियमित परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं। इसी प्रकार 202 विद्यार्थी हाई स्कूल में तथा 360 विद्यार्थी हायर सेकण्डरी परीक्षा में स्वाध्यायी छात्र के रूप में शामिल हो रहे हैं। इस प्रकार जिले में कुल 6925 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं। जिले में कुल 30 परीक्षा केन्द्र शामिल हैं। जिसमें 13 केन्द्रों की गोपनीय सामाग्री पुलिस थाना पेण्ड्रा में, 8 परीक्षा केन्द्रों की गोपनीय सामाग्री गौरेला थाना में तथा 9 परीक्षा केन्द्रों की गोपनीय सामाग्री थाना मरवाही में जमा किया गया। कलेक्टर द्वारा सभी केन्द्राध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि परीक्षा के दौरान सभी परीक्षा केन्द्रों में मूलभूत सुविधा उपलब्ध होना चाहिए, दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिए विशेष व्यवस्था होनी चाहिए। तथा शासन के नियमानुसार प्रत्येक परीक्षा केन्द्र में सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था होनी चाहिए, अगर नहीं है तो जिला शिक्षा अधिकारी को पहल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा को अत्यंत गंभीरता से लेते हुये शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न ढंग से संचालित करायें। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की समस्या आने पर बोर्ड परीक्षा के जिला नोडल अधिकारी श्री डाहिरे को अवगत करा सकते हैं। कार्यक्रम में सभी केन्द्रों के केन्द्राध्यक्ष उपस्थित थे।

बालको ने किया नेहरू उद्यान का सौंदर्यीकरण

कोरबा। बालको टाउनशिप में स्थित नेहरू उद्यान का सौंदर्यीकरण किया गया है, उद्यान में नए पौधों का रोपण हरियाली, तथा अत्याधुनिक लाइटिंग की व्यवस्था की गई है, जिससे यह शाम के समय जगमगाता रहता है। स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों के लिए यह उद्यान अब और भी मनोरम स्थल बन गया है। यहां टहलने, योग, ध्यान और पारिवारिक समय बिताने के लिए एक अनुकूल माहौल बनाया गया है।

खाने से पहले दही में मिलाएं 4 में से 1 चीज, नहीं तो बढ़ेगा वजन, हड्डियों तक नहीं पहुंचेगा कैल्शियम

मजबूत हड्डियों या वेट लॉस के लिए दही खाना चाहते हैं तो इसका सही टाइम मालूम कर लें। गलत तरीके से खाने पर वजन बढ़ सकता है। कई क्रॉनिक और इंफ्लामेटरी डिजीज हो सकती है। जिन्हें ठीक करने के लिए दवाओं का सहारा लेना पड़ता है। दही को दूध जमाकर बनाया जाता है। इसलिए यह हड्डियों के लिए बहुत अच्छी होती है। जमने से इसके अंदर बैक्टीरिया पनप जाते हैं, जो आंतों को फायदा पहुंचाते हैं। प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन, मिनरल का यह अच्छा सोर्स है। लेकिन सही टाइम और तरीके से खाने पर इसके फायदे मिलते हैं। आयुर्वेद के अनुसार अगर गलत व्यक्ति दही खा ले तो उसे सूजन की दिक्कत हो सकती है। इसे खाने से पित्त दोष बढ़ता है और वजन काबू से बाहर हो सकता है। यह क्रॉनिक डिजीज और पाचन से जुड़ी समस्याओं का कारण बन सकती है। अच्छी तरह पच न पाने के कारण हड्डियों को कैल्शियम नहीं मिल पाता।

दही खाने से क्या होता है?

डॉक्टर ने कहा कि अगर सही आदमी के सही वक्त पर इस डेयरी प्रोडक्ट को खाने से कई फायदे मिलते हैं। जिसमें वात संतुलित होता है, शुक्राणुओं की गुणवत्ता सुधरती और हड्डियों की कमजोरी नहीं होती। यह इसके प्रमुख लाभ हैं।

दही को जल्दी कैसे पचाएं?

दही में सेंधा नमक, काली मिर्च, शहद या घी मिलाकर खाना चाहिए। इन चार में से किसी भी एक चीज को डालने से इसका डायजेशन तेज होता है। काला नमक व काली मिर्च मेटाबॉलिज्म तेज करते हैं जिससे आपका अतिरिक्त वजन नहीं बढ़ेगा और वजन कम करने में सपोर्ट मिलेगी।

किसे खानी चाहिए?

नियमित रूप से एक्सरसाइज करने या अच्छी भूख वालों के लिए दही अनुकूल है। जिन लोगों को गैस, ब्लोटिंग, एसिडिटी, कब्ज, स्किन डिजीज, मोटापा, ज्यादा वजन की समस्या नहीं है, वो भी रोज इसका सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा इंफ्लामेशन या क्रॉनिक डिजीज भी ना हो।

किस वक्त खाएं?

अक्सर लोग इसे गलत टाइम पर खा लेते हैं, जिसकी वजह से नजला, जुकाम, खांसी, गैस, पेट दर्द हो सकता है। आयुर्वेद डॉक्टर के मुताबिक दही को केवल लंच में खाना चाहिए। इस टाइम के अलावा कभी भी खाने की गलती ना करें।

इसकी जगह क्या खाएं?

अगर आपका वजन ज्यादा है, मोटापा है या खाना ढंग से नहीं पचता तो दही ना खाएं। इसकी जगह छाछ पीएं। इसमें काफी मात्रा में प्रोबायोटिक होते हैं। साथ में कैल्शियम, प्रोटीन मिल जाता है और जल्दी पच भी जाता है।

शरीर में आयरन बढ़ाने के लिए इन 6 चीजों का सेवन करें

विटामिन, कैल्शियम आदि पोषक तत्व की तरह आयरन शरीर के लिए जरूरी है। इसकी कमी से शरीर में भारी कमजोरी आती है और खड़ा होना भी मुश्किल हो जाता है। आयरन बढ़ाने के लिए 6 चीजों का सेवन जरूर करना चाहिए।

जिस जमीन में नमी, पोषण और ताकत नहीं होती, उसे बंजर कहते हैं। इसी तरह आयरन की कमी शरीर को बंजर बना देती है। यह बॉडी का खून, रेड ब्लड सेल्स और ऑक्सीजन कम कर देती है। आयरन डेफिशिएंसी को दूर करने के लिए कुछ उपाय अपनाते रहने चाहिए। जिनके बारे में न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा ने जानकारी दी है।

आयरन की कमी से होने वाले रोग

आयरन की कमी के कारण हीमोग्लोबिन और रेड ब्लड सेल्स कम हो जाती हैं। जिस वजह से एनीमिया यानी खून की कमी का खतरा बढ़ जाता है। यह दिक्कत महिलाओं को सबसे ज्यादा होती है। इसलिए सरकारी स्कूलों में बचपन से ही लड़कियों को आयरन की गोली खिलाई जाती है। शरीर में आयरन बढ़ाने के लिए 6 उपाय है। इन 6 खाद्य पदार्थों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। जो कि आयरन की गोली खाने की नौबत नहीं आने देंगे। आइए पहले आयरन कम होने के लक्षण जानते हैं।

ये लक्षण कर देंगे बुरा हाल

ऑस्ट्रेलिया की सरकारी हेल्थ वेबसाइट के अनुसार आयरन की कमी शरीर के लिए खतरनाक हो सकती है। जिसकी वजह से निम्नलिखित लक्षण व संकेत दिख सकते हैं।

- हमेशा थकावट रहना
- सांस फूलना
- सिर घूमना
- खून की कमी
- रंग पीला पड़ना
- हाथ-पैर ठंडे होना
- जीभ में सूजन आना
- बार-बार इंफेक्शन होना
- इम्यून सिस्टम की कमजोरी
- बच्चों का विकास रुकना
- भूख ना लगना
- कमजोर नाखून, आदि

आयरन बढ़ाने के उपाय

इन 6 फूड्स को आयरन का भंडार बताया है। इन वेज फूड को डाइट में शामिल करने के बाद आयरन कम होने का खतरा काफी कम हो जाता है।

इसके लिए आप राजगिरा (चौलाई), रागी, किशमिश, दाल, सोयाबीन, करी पत्ता का सेवन बढ़ाएं।

किसमें कितना आयरन?

- 25 ग्राम राजगिरा में 2.8 मिलीग्राम आयरन
- 20 ग्राम रागी में 1.2 मिलीग्राम आयरन
- 10 ग्राम किशमिश में 0.7 मिलीग्राम आयरन
- 30 ग्राम दाल में 6.6 मिलीग्राम आयरन
- 30 ग्राम सोयाबीन में 2.4 मिलीग्राम आयरन
- 10 ग्राम करी पत्ता में 0.87 मिलीग्राम आयरन

इस वजह से भी कम हो सकता है आयरन

खून बहना, पर्याप्त पोषण ना मिलना आदि कारणों से आयरन डेफिशिएंसी होती है। लेकिन कई बार इसके पीछे आयरन का खराब अवशोषण भी होता है। मतलब आप आयरन देने वाली चीजें खा तो रहे है, लेकिन शरीर उसका इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है।

आयरन का इस्तेमाल बढ़ाने के तरीके

- आयरन फूड के साथ विटामिन-सी देने वाले फूड भी खाएं
- खाने के बाद कॉफी और चाय पीने से बचें
- अनाज को खाने से पहले पानी में भिगोएं, अंकुरित और फर्मेंट करें
- लोहे की कढ़ाई या पैन में खाना बनाएं
- लाइसीन अमिनो एसिड और आयरन देने वाला क्विनोआ और फलियां खाएं

यूरिक एसिड को जोड़ों में गला देंगे ये आयुर्वेदिक तरीके

शरीर में यूरिक एसिड का लेवल बढ़ने से आपको गाउट या किडनी की पथरी की समस्या हो सकती है, इस अपशिष्ट पदार्थ को बाहर निकालने और इसके लक्षणों को कम करने के लिए आप कुछ आयुर्वेदिक तरीके आजमा सकते हैं, जो असरदार हैं।

यूरिक एसिड बढ़ना एक आम समस्या बनती जा रही है। शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा अधिक होने से हाइपरयुरिसीमिया या गाउट की बीमारी हो सकती है। बढ़ा हुआ यूरिक एसिड जोड़ों में गंभीर सूजन और दर्द पैदा कर सकता है। यह किडनी की पथरी का भी कारण बन सकता है। प्यूरीन नामक रसायन के टूटने से यूरिक एसिड निकलता है। प्यूरीन मानव शरीर में पहले से मौजूद होता है। इसके अलावा खाने-पीने की चीजों में भी यह रसायन होता है। वैसे तो यूरिक एसिड किडनी द्वारा फिल्टर होकर पेशाब के जरिए बाहर निकल जाता है लेकिन जब इसका लेवल ज्यादा हो जाता है, तो यह जोड़ों में इकट्ठा हो जाता है और परेशानी पैदा करता है।

यूरिक एसिड कैसे कम करें?

यूरिक एसिड कम करने के लिए कई दवाएं और मेडिकल ट्रीटमेंट उपलब्ध है लेकिन आप कुछ गाउट या यूरिक एसिड के लिए आयुर्वेदिक उपचार भी आजमा सकते हैं।

यूरिक एसिड का आयुर्वेदिक उपचार त्रिफला

आयुर्वेद की तीन शक्तिशाली जड़ी बूटियों भीभीतकी, हरीतकी और आंवला से मिलकर बना त्रिफला यूरिक एसिड का बढ़िया उपचार है। इसके एंटीऑक्सिडेंट, एंटी बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण इसे मजबूत औषधि बनाते हैं। इसके लिए आप सुबह खाली पेट एक गिलास गर्म पानी के साथ एक चम्मच त्रिफला पाउडर ले सकते हैं।

गाउट का आयुर्वेदिक उपचार- हल्दी

लगभग सभी आयुर्वेद दवाओं में हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें करक्यूमिन होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। हल्दी गठिया का असरदार इलाज है। सूजन और दर्द को कम करने के लिए प्रभावित हिस्से में हल्दी का पेस्ट लगाया जा सकता है, फायदा मिलेगा।

यूरिक एसिड की रामबाण दवा है अदरक

गाउट या गठिया के रोगियों के लिए निर्धारित हर्बल दवाओं में अदरक मिलाया जाता है। इसमें हाई यूरिक एसिड को कम करने के ताकत होती है। यूरिक एसिड कम करने और इसके लक्षणों को कम करने के लिए आपको अपने खाने और चाय में अदरक का इस्तेमाल करना चाहिए।

यूरिक एसिड का घरेलू इलाज है गिलोय जड़ी बूटी

गिलोय को मूल रूप से एक ज्वरनाशक जड़ी बूटी कहा जाता है। इसे शरीर में एक्स्ट्रा यूरिक एसिड को बेअसर करने के लिए जाना जाता है। यूरिक एसिड लेवल कम करने के लिए आप एक्सपर्ट की सलाह पर गिलोय जूस ले सकते हैं या इसका पाउडर इस्तेमाल कर सकते हैं।

यूरिक एसिड की आयुर्वेदिक दवा है नीम

नीम को सदियों से औषधीय पौधा माना जाता रहा है। नीम में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो इसे गाउट के उपचार के लिए एक बढ़िया जड़ी बूटी बनाते हैं। अगर आप यूरिक एसिड के मरीज हैं, तो दर्द और सूजन कम करने के लिए प्रभावित हिस्से पर नीम का पेस्ट लगाएं।

ब्रेन स्ट्रोक से काफी पहले पड़ता है छोटा अटैक

ब्रेन स्ट्रोक में दिमाग की नस फट जाती है। लेकिन इससे काफी पहले छोटा अटैक दिख सकता है। जिसके लक्षणों को पहचानकर ब्रेन स्ट्रोक से बचा जा सकता है।

जब दिमाग की कोई नस ब्लॉक हो जाती है तो ब्रेन स्ट्रोक आता है। यह एक जानलेवा स्थिति है, जिसमें समय पर इलाज ना मिलने पर मौत हो सकती है। लेकिन क्या आप मिनी ब्रेन स्ट्रोक के बारे में जानते हैं। जो कि बड़े अटैक से काफी वक्त पहले दिख सकता है। इसके लक्षण हल्के होते हैं, जिन्हें वक्त पर पहचानकर बड़े अटैक से बच सकते हैं। इसे मिनी ब्रेन स्ट्रोक या ट्रांसिएंट इस्केमिक अटैक भी कहते है।

दिमाग का छोटा अटैक कब आता है?

ब्रेन स्ट्रोक की तरह छोटा अटैक भी दिमाग की नस ब्लॉक होने से आता है। इसकी वजह से दिमाग को ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाती है। लेकिन ये डैमेज परमानेंट नहीं होती है और 24 घंटे में खुद ही ठीक हो जाती है। मगर इसके लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

पैरालिसिस या स्ट्रोक से कैसे बचें?

- शरीर के एक तरफ पर चेहरे, हाथ या पैर में सुन्नपन या कमजोरी
- अचानक कंफ्यूजन आना
- अचानक बोलने में दिक्कत आना
- अचानक देखने में दिक्कत
- अचानक शारीरिक संतुलन खो जाना
- अचानक चलने में दिक्कत आना
- चक्कर आना
- अकारण तेज और गंभीर सिरदर्द
- निगलने में कठिनाई
- चेहरे की मांसपेशियां गिरना

24 घंटे में गायब हो जाते हैं लक्षण

नसों में ब्लड क्लॉट जमने से मिनी स्ट्रोक पड़ता है। जिससे खून पूरी आजादी के साथ घूम नहीं पाता है। लेकिन ये ब्लड क्लॉट छोटे और अस्थाई होते हैं और कुछ ही देर में वापस घुल जाते हैं। लेकिन इस स्थिति को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

मिनी स्ट्रोक से बचने के टिप्स

- धूम्रपान और शराब का सेवन बंद कर दें।
- ताजे फल, सब्जी और साबुत अनाज का सेवन करें।
- शरीर का वजन कंट्रोल रखें।
- नियमित एक्सरसाइज करें।
- फैट का सेवन कम कर दें।
- टाइप 2 डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल, हाई बीपी जैसी बीमारियों की दवा लेते रहें।

स्ट्रोक से बचाने वाली डाइट

ब्रेन स्ट्रोक से बचने के लिए लो फैट, कम नमक के साथ हाई फाइबर डाइट लेनी चाहिए। जिसके लिए आप इन फूड्स को खा सकते हैं। नाशपाती, स्ट्रॉबेरी, एवोकाडो, सेब, केला, गाजर, चुकंदर, ब्रोकली, पालक, टमाटर, दालें, राजमा, छोले, क्विनोआ, ओट्स, बादाम, चिया सीड्स, शकरकंद

श्री कृष्ण बंसी बजाते थे या मुरली?

श्री कृष्ण के स्वरूप का ध्यान किया जाए तो सबसे पहले जो नजर आएगा वह है शीश पर मोरपंख और हाथों में बंसी। श्री कृष्ण को बंसी बजाना प्रिय था क्योंकि राधा रानी को बंसी की धुन अच्छी लगती थी। बंसी बजाने के कारण ही श्री कृष्ण का एक नाम बंसी बजैया भी पड़ा। इसके अलावा, ऐसा भी माना जाता है कि अपनी मुरली की धुन से श्री कृष्ण सबका मन मोह लेते थे, इसलिए उन्होंने मुरली मनोहर भी कहा जाता है।

अक्सर श्री कृष्ण से जुड़े श्लोकों या भजनों में भी उनकी लीला को दर्शाते हुए उन्हें बंसी, बांसुरी या मुरली बजाने वाले के रूप में अंकित किया जाता है। मगर क्या आप जानते हैं कि बंसी, बांसुरी और मुरली अलग-अलग हैं। ऐसे में अब 2 सवाल उठते हैं- पहला यह कि श्री कृष्ण क्या बजाते थे बंसी, बांसुरी या मुरली और दूसरा सवाल ये कि तीनों में अंतर क्या है।

श्री कृष्ण द्वारा बजाई जाने वाली बंसी, बांसुरी और मुरली में क्या है अंतर?

बांसुरी के ऊपरी हिस्से में अरहर, सेमल जैसी लकड़ियों की डाट लगी होती है। इसी डाट के माध्यम से इसे ऊपरी सिरे से बजाया जाता है। इसमें 6 सुराख होते हैं, यानी 6 प्रकार के सुर होते हैं।

बांसुरी के परिवार के एक रूप बंसी में भी 6 सुराख होते हैं। हालांकि, इसका वादन शौकिया तौर पर किया जाता है। इसके अलावा, पेशेवर एवं घराना परंपरा के लोग भी बांसुरी वादन करते हैं।

वहीं, मुरली के बारे में बताएं तो मुरली में 7 सुर होते हैं। श्री कृष्ण मुरली को ही बजाया करते थे। आकार और एक जैसा रूप होने के कारण मुरली, बंसी और बांसुरी को एक जैसा समझा जाता है।

शास्त्रों में बताया गया है कि श्री कृष्ण संपूर्ण 64 कलाओं के स्वामी थे। ऐसे में उनकी मुरली भी संपूर्ण स्वरों से संपन्न थी। यही कारण है कि घर में भी वास्तु शास्त्र में 7 छेद वाली मुरली रखने को कहा गया है।

क्या होती है घर में ईशान कोण दिशा महत्व व अन्य बातें

वास्तु शास्त्र में ईशान कोण या उत्तर-पूर्व दिशा का अत्यधिक महत्व होता है। इसे घर की सबसे शुभ और शक्तिशाली दिशा माना जाता है। मान्यता है कि यह आपके घर में समृद्धि, शांति और आध्यात्मिक उन्नति से जुड़ी हुई होती है। घर की उत्तर-पूर्व दिशा को ही ईशान कोण दिशा भी कहा जाता है, जो हिंदू धर्म में सृष्टि और संहार के देवता भगवान शिव से संबंधित होती है। यह दिशा उस घर के निवासियों के स्वास्थ्य, धन और समृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस दिशा में तत्वों का सही स्थान और संरेखण सकारात्मक ऊर्जा और संतुलन लाने में सहायक होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ईशान कोण दिशा जल तत्व से जुड़ी हुई होती है, जो जीवन में स्थिरता और शुद्धता का प्रतीक मानी जाती है।

इस क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह मानसिक स्पष्टता, वित्तीय समृद्धि और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देता है। घर का मंदिर, मेडिटेशन का कमरा या पढ़ाई के लिए यह दिशा सबसे उपयुक्त मानी जाती है। हालांकि, इस दिशा का महत्व तभी बढ़ता है जब इसे साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखा जाए। भारी सामान, गंदगी या गलत स्थान का निर्माण जैसे बाथरूम और किचन इस दिशा की ऊर्जा को कमजोर कर सकते हैं। आइए, वास्तु विशेषज्ञ, न्यूमेरोलॉजिस्ट और टैरो कार्ड रीडर, मधु कोटिया से जानें ईशान कोण के महत्व और इसके नियमों के बारे में सब कुछ।

क्या होता है घर का ईशान कोण

ईशान कोण घर की उत्तर-पूर्व दिशा होती है, वास्तु शास्त्र में इसे घर की सबसे पवित्र और शुभ दिशा के रूप में देखा जाता है। यह दिशा चार प्रमुख दिशाओं उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम के बीच पूर्व और उत्तर के मिलन बिंदु पर स्थित होती है। इस दिशा को हिंदू धर्म में विशेष स्थान प्राप्त है, क्योंकि इसे ईश्वर की दिशा के रूप में देखा जाता है। यह दिशा घर के सभी निवासियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, समृद्धि और रिश्तों को प्रभावित करती है। ईशान कोण को आध्यात्मिक द्वार भी कहा जाता है, क्योंकि यह ऊर्जा के प्रवाह को नियंत्रित करता है और घर में शांति और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। इसकी विशेषताओं की वजह से इस दिशा का उपयोग ध्यान, पूजा, और पढ़ाई जैसे कार्यों के लिए किया जाता है।

ईशान कोण दिशा का महत्व

ईशान कोण वह दिशा है जो शारीरिक और आध्यात्मिक दोनों रूपों को जोड़ने का कार्य करती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, यह दिशा पवित्रता, ज्ञान और आध्यात्मिक प्रगति का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि इस दिशा में ऊर्जा का प्रवाह मानसिक स्पष्टता, मानसिक शांति और वित्तीय समृद्धि को प्रभावित करता है। उत्तर-पूर्व को हमेशा स्वच्छ और अव्यवस्था से मुक्त रखना जरूरी होता है, जिससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह निर्बाध रूप से चलता रहे। यह दिशा व्यक्ति के दिव्य शक्ति से जुड़ाव को बढ़ाती है और आंतरिक शांति प्रदान करती है। एक पूजा कक्ष, छोटा मंदिर या ध्यान का स्थान उत्तर-पूर्व में सकारात्मक ऊर्जा और आशीर्वाद आकर्षित करने में सहायक हो सकता है। इसके साथ ही चूंकि यह दिशा ज्ञान और बुद्धि से जुड़ी हुई होती है, इसलिए यह अध्ययन या पढ़ाई के लिए भी आदर्श मानी जाती है। यदि इस दिशा में स्टडी टेबल मेज या किताबों का स्थान रखा जाए तो यह पढ़ने वाले छात्रों को एकाग्रता, ध्यान और मानसिक स्पष्टता प्रदान करने में मदद करती है।

ईशान कोण में क्या रखना चाहिए

वैसे तो ईशान कोण को घर का सबसे पवित्र स्थान माना जाता है, लेकिन उस जगह पर कुछ विशेष चीजों को रखना महत्वपूर्ण माना जाता है। आइए जानें ईशान कोण में क्या रखना चाहिए-

ईशान कोण में रखें पूजा का मंदिर

अगर हम घर के मंदिर की बात करें तो घर के लिए ईशान कोण को सबसे अच्छी दिशा माना जाता है। इस क्षेत्र में एक छोटा मंदिर या धार्मिक मूर्तियां रखने से आपको सकारात्मक ऊर्जा मिल सकती हैं और देवताओं का आशीर्वाद मिलता है। इस दिशा में पूजा का स्थान होने से वहां के निवासियों में सदैव ईश्वर की कृपा बनी रहती है और घर में भी खुशहाली आती है।

ईशान कोण में रखें लिविंग रूम

यदि आपका घर बड़ा है, तो लिविंग रूम भी घर के ईशान कोण में रखा जा सकता है। आमतौर पर इस क्षेत्र को खुला और हवादार रखना चाहिए और प्राकृतिक रोशनी से भरपूर बनाना चाहिए। इस दिशा में लिविंग रूम रखने से परिवार के सदस्यों के बीच सामंजस्य बना रहता है और खुशहाली आती है। इस स्थान पर बना लिविंग रूप आपके रिश्तों में भी सामंजस्य बनाने में मदद करता है।

ईशान कोण में रखें स्टडी रूम

छात्रों के लिए उत्तर-पूर्व दिशा में अध्ययन कक्ष रखना सर्वोत्तम माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह स्थान अध्ययन, बुद्धि और शैक्षिक प्रगति को बढ़ावा देता है। स्टडी रूम में आपकी स्टडी टेबल की मेज को पूर्व या उत्तर की ओर मोड़कर रखा जाना चाहिए।

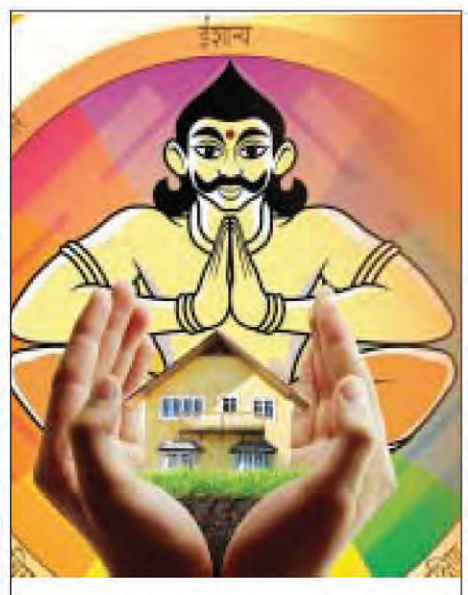

घर के लिए ईशान कोण दिशा के नियम

- ईशान कोण का पूरा लाभ प्राप्त करने के लिए कुछ वास्तु दिशानिर्देशों का पालन करना जरूरी होता है। यदि आप इन नियमों का पालन करते हैं तो हमेशा घर में समृद्धि बनी रहती है।
- घर के ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व क्षेत्र को हमेशा स्वच्छ और अव्यवस्थित रखें। इस क्षेत्र में भारी सामान या अनावश्यक चीजें रखने से ऊर्जा का प्रवाह बाधित हो सकता है, इसलिए यहां कोई भी सामान रखते समय उसका ध्यान रखना जरूरी है।
- चूंकि यह स्थान जल तत्व से जुड़ा होता है, इसलिए इस दिशा में एक जल स्रोत जैसे छोटा फव्वारा, एक्वेरियम या जल पात्र रखना शुभ हो सकता है। हालांकि, यह सुनिश्चित करें कि पानी स्वच्छ होना चाहिए। इस स्थान पर स्थिर पानी आपके जीवन में नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।
- उत्तर-पूर्व क्षेत्र को हमेशा अच्छी रोशनी और वेंटिलेशन मिलना चाहिए जिससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह निर्बाध बना रहे। प्राकृतिक रोशनी इस क्षेत्र के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण होती है, इसलिए खिड़कियों या दरवाजों को भारी पर्दों या फर्नीचर से ब्लॉक न करें।
- इस दिशा में बड़े या भारी फर्नीचर का उपयोग नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह ऊर्जा के प्रवाह को अवरुद्ध कर सकता है और घर में असंतुलन पैदा कर सकता है। इसके बजाय हल्के और न्यूनतम फर्नीचर का चुनाव करें।
- इस दिशा के लिए हल्के और शांत रंग जैसे सफेद, क्रीम, हल्का नीला और पीला सबसे ज्यादा आदर्श माने जाते हैं। ये रंग शांति, मानसिक स्पष्टता और मानसिक शांति को बढ़ावा देते हैं। उत्तर-पूर्व दिशा में गहरे और तीव्र रंगों का उपयोग न करें।

ईशान कोण दिशा में जरूर रखें यह एक चीज, होगा धन लाभ

वास्तु शास्त्र के अनुसार ईशान कोण दिशा को उत्तर-पूर्व दिशा भी कहा जाता है। यह घर का सबसे पवित्र स्थान माना जाता है। इस दिशा में देवी-देवताओं का वास स्थान माना जाता है। इसलिए इस स्थान को बेहद शुभ और पवित्र माना जाता है। बता दें, ईशान कोण दिशा में अगर आप देवी-देवताओं की विधिवत पूजा-पाठ करते हैं, तो व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही सौभाग्य में भी वृद्धि हो सकती है। अब ऐसे में इस दिशा में शंख रखने का विशेष महत्व बताया गया है। ईशान कोण दिशा का महत्व क्या है?

ईशान कोण को देवताओं का निवास स्थान माना जाता है। इस दिशा में पूजा स्थल स्थापित करने से देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में सुख-शांति आती है। ह दिशा ग्रह गुरु बृहस्पति से संबंधित है, जो ज्ञान और बुद्धि का कारक माना जाता है। ईशान कोण सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश द्वार माना जाता है। इसलिए इस दिशा को स्वच्छ रखना बेहद जरूरी है। ईशान कोण धन और समृद्धि से जुड़ा है। इस दिशा में तिजोरी रखने से आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। ईशान कोण दिशा में पूजा करने और ध्यान लगाने के लिए सबसे शुभ स्थान माना जाता है। शंख को ईशान कोण में रखना शुभ माना जाता है। शंख को जल से भरकर उसमें कुछ तुलसी के पत्ते डालकर रखें। शंख को देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु का प्रतीक माना जाता है। ईशान कोण में शंख रखने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इससे घर और कार्यस्थल में शांति और समृद्धि का वातावरण बनता है। ईशान कोण धन और समृद्धि से जुड़ा है। इसलिए इस दिशा में शंख रखने से माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। ईशान कोण दिशा में शंख बजाने से मानसिक तनाव दूर हो सकती है और मन शांत रहता है।

ईशान कोण दिशा में शंख की पूजा कैसे करें?

सबसे पहले, शंख को जल से अच्छी तरह धो लें। फिर, शंख में थोड़ा सा गंगाजल डालकर उसमें कुछ तुलसी के पत्ते डालें। शंख को ढककर कुछ देर के लिए रख दें। फिर ईशान कोण दिशा में एक चौकी रखें और उसपर लाल रंग का कपड़ा बिछाएं। चौकी पर शंख रखें। शंख के मुख को पूर्व दिशा की ओर रखें। शंख के पास घी का दीपक जलाएं। इससे व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

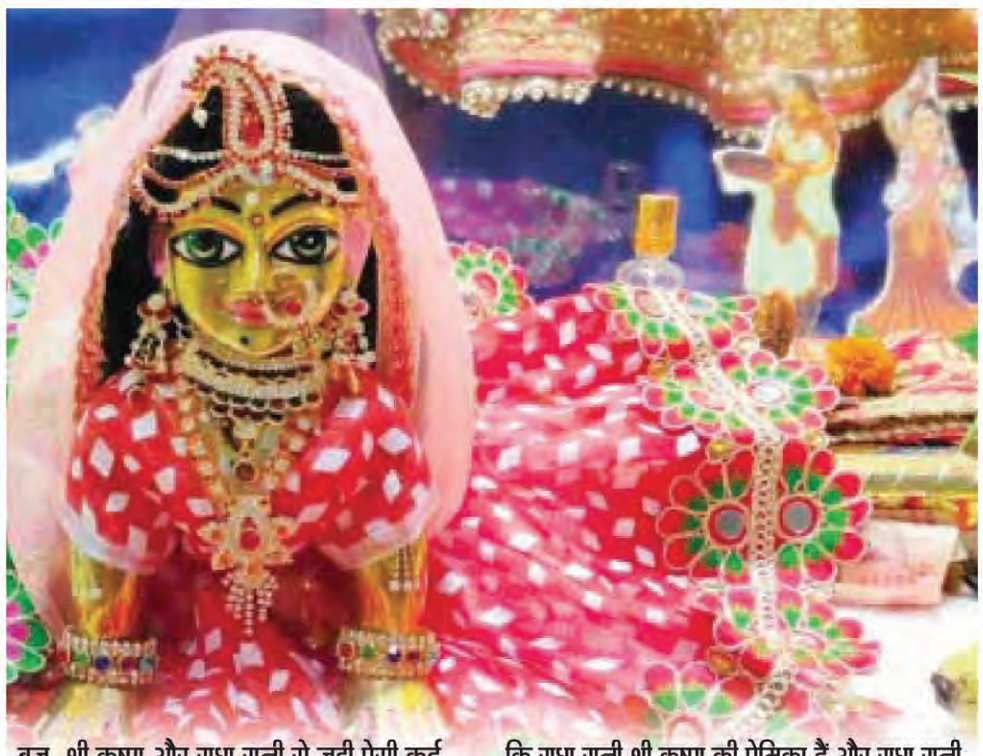

ब्रज, श्री कृष्ण और राधा रानी से जुड़ी ऐसी कई पौराणिक कथाएं और लीलाएं हैं जिनके बारे में आज भी बहुत कम लोग ही जानते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप में से अधिकतर लोगों को यह पता होगा कि राधा रानी श्री कृष्ण की प्रेमिका हैं और राधा रानी एवं कान्हा ने ब्रज में कई लीलाएं दिखाई हैं, रास रचाया है। श्री कृष्ण से पहले राधा रानी का नाम लेने का वरदान श्री कृष्ण ने ही दिया था।

ब्रज में क्यों लिया जाता है सिर्फ राधा रानी का नाम?

बिना राधा नाम के कृष्ण नहीं मिलते हैं आदि। इन सभी बातों, धारणाओं और राध-कृष्ण से जुड़ी लीलाओं के बीच क्या आप ये जानते हैं कि जिस ब्रज में कन्हैया और राधा रानी ने जन्म लिया, कि जिस ब्रज को राधा रानी और श्री कृष्ण की लीलाओं का साक्षी माना जाता है, कि जिस ब्रज में कान्हा ने कई राक्षसों का उद्धार किया, कि जिस ब्रज के कण-कण में कान्हा और राधा रानी हैं उसी ब्रज में क्यों सिर्फ राधा नाम लिया जाता है, कान्हा का नहीं। ब्रज में कृष्ण नाम क्यों नहीं लिया जाता है?

पौराणिक कथा के अनुसार, जब श्री कृष्ण ब्रज धाम छोड़कर द्वारका चले गये थे, तब राधा रानी समेत ब्रज चौरासी कोस में जितनी भी गोपियां थीं वह कान्हा की विरह पीड़ा में बहुत रोई थीं। यहां तक कि एक भी ऐसा दिन नहीं जाता था जब उनकी आंखों से आंसू नहीं टपकते थे।

राधा रानी और गोपियों को कान्हा से इतना प्रेम था जिसका आंकलन कर पाना भी संभव न था। कान्हा के जाने के बाद राधा रानी और गोपियों का हाल ऐसा हो गया था कि अगर कोई ब्रज मंडल में कृष्ण का नाम भी ले दे तो वह कृष्ण नाम सुन विरह पीड़ा में बेहोश हो जाती थीं।

यहां तक कि गोपियां कई-कई घंटों तक बेहोश रहती थीं और जब भी होश में आती थीं तब कृष्ण-कृष्ण पुकारते हुए पुनः मूर्छित हो जाया करती थीं। ब्रज के पुरुषों द्वारा गोपियों का यह हाल देखा नहीं गया। सभी पुरुषों ने यह तय किया कि वह राधा रानी के पास जाकर बात करेंगे। हालांकि जब सभी गोपियों के परिजन और स्वयं राधा रानी के पिता वृषभान जी श्री राधा रानी के पास पहुंचे तब उन्होंने देखा कि राधा रानी खुद किसी मूरत की तरह एक स्थान पर एक रूप में एक अवस्था में बिना हिलेडुले बैठी हुई थीं और उनके नेत्रों से लगातार आंसू बहे जा रहे थे।

राधा रानी की प्रिय सखी ललिता ने बताया कि आखिरी बार श्री कृष्ण इसी स्थान पर राधा रानी से विदा लेकर गए थे जहां अभी वो बैठीं है और उस दिन से आजतक भी राधा रानी इसी स्थान पर विराजित हैं।

राधा रानी के मुंह से एक शब्द, एक ध्वनि तक भी नहीं निकली है। यह देख वृषभान जी ने यह निर्णय लिया कि वह ब्रज मंडल के मुख्य द्वार पर एक पहरे दार बैठाएंगे और साथ ही, कुछ पहरेदारों को ब्रज के भीतर नियुक्त करेंगे जो इस बात का ध्यान रखें कि किसी भी व्यक्ति के मुंह से कृष्ण नाम न निकले और आगे हुआ भी ऐसा ही।

ब्रज क्षेत्र में आते ही किसी को भी कृष्ण नाम लेने की अनुमति नहीं थी। ऐसे में जिन लोगों को जब भी कभी कृष्ण पुकारने का मन करता तो वह राधा नाम ले लेते क्योंकि राधा कृष्ण एक ही हैं अलग-अलग नहीं। तो इस तरह ब्रज में तब से लेकर आज तक भी राधे-राधे बोला जाता है।

हालांकि अन्य कृष्ण मंदिर जो ब्रज के बाहर हैं, जैसे कि द्वारकाधीश मंदिर गुजरात या फिर श्री कृष्ण के अलग-अलग स्वरूपों के मंदिर जैसे कि गोविंद देव जी मंदिर आदि सभी मंदिरों में जय श्री कृष्ण, हरे कृष्ण, कृष्ण-कृष्ण कहा जाता है लेकिन सिर्फ ब्रज में राधे-राधे बोला जाता है।

छत्तीसगढ़ की पहली थर्ड जेंडर सरपंच बनीं सोनू उरांव

हाथोर समाचार/मनेंद्रगढ़।

छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में पंचायत चुनावों के नतीजे एक ऐतिहासिक बदलाव की ओर संकेत कर रहे हैं। ग्राम पंचायत चनवारीडांड़ से थर्ड जेंडर सोनू उरांव ने सरपंच पद पर जीत हासिल कर नया इतिहास रच दिया है। यह केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि समाज में बदलाव और किन्नर समुदाय की राजनीतिक भागीदारी को लेकर एक नई उम्मीद भी है।

संघर्ष भरा सफर, आखिरकार मिली जीत : सोनू उरांव के लिए यह राह आसान नहीं थी। इससे पहले उन्होंने 2013 में मनेंद्रगढ़ विधानसभा चुनाव भी लड़ा था, लेकिन सफलता नहीं मिली। पिछले पंचायत चुनाव में भी उन्होंने सरपंच पद के लिए कोशिश की थी, मगर हार का सामना करना पड़ा। लेकिन हार से सीख लेते हुए उन्होंने इस बार और अधिक मेहनत की और गांव की जनता का विश्वास जीतकर सरपंच बन गईं।

इस चुनाव में कुल पांच प्रत्याशी मैदान में थे, जिनमें दो पूर्व सरपंच भी शामिल थीं। लेकिन सोनू ने सभी को हराकर यह जीत हासिल की।

गांव के विकास को मिलेगी प्राथमिकता : अपनी जीत के बाद सोनू उरांव ने कहा कि यह सिर्फ उनकी व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि ग्राम पंचायत चनवारीडांड़ के सभी नागरिकों की जीत है। उन्होंने अपने विकास के एजेंडे को स्पष्ट करते हुए कहा कि वे गांव को एक आदर्श पंचायत बनाने के लिए पूरी मेहनत करेंगी। उनकी प्राथमिक योजनाएं इस प्रकार हैं:

ग्राम पंचायत को सुंदर और विकसित बनाना

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाना

गांववासियों की समस्याओं का समाधान कराना

सामाजिक बदलाव की मिसाल

सोनू उरांव की इस जीत से यह स्पष्ट हो गया है कि समाज धीरे-धीरे बदल रहा है और थर्ड जेंडर समुदाय को भी राजनीतिक समानता मिलने लगी है। अब वे केवल सामाजिक रस्मों तक सीमित नहीं, बल्कि प्रशासन और नीति-निर्माण में भी अपनी भागीदारी दर्ज करा रहे हैं।

सोनू का कहना है, "जनता ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसे मैं पूरी ईमानदारी और मेहनत से निभाऊंगी।" उनकी सफलता से अन्य थर्ड जेंडर व्यक्तियों को भी राजनीति सहित अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। यह जीत सिर्फ सोनू की नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक सकारात्मक बदलाव की निशानी है।

नगर पंचायत अध्यक्ष पुरन राम राजवाड़े ने बजट को बताया विकासोन्मुखी

भटगांव। नगर पंचायत जरही के नव-निर्वाचित अध्यक्ष पूरन राम राजवाड़े ने राज्य सरकार के वर्ष 2025-26 के बजट की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह बजट राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में मदद करेगा और आम जनता को लाभ पहुंचाएगा।

श्री राजवाड़े ने बताया कि बजट में 10 नई योजनाओं की घोषणा की गई है, जिनमें मुख्यमंत्री मोबाइल टावर योजना, परिवहन योजना, बाईपास एवं रिंग रोड निर्माण योजना, गवर्नेंस फैलोशिप, सियान केयर योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और अटल सिंचाई योजना** शामिल हैं।

इसके अलावा, छात्र स्टार्टअप और नवाचार नीति, राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज के साथ छात्र कौशल कार्यक्रम एवं वित्तीय निवेश प्रशिक्षण योजना को भी इसमें जोड़ा गया है।

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए वूमेन हॉस्टल, सखी सेंटर और नए आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए बजट में प्रावधान किया गया है। साथ ही, महतारी बंधन योजना के बजट में वृद्धि की गई है।

नगर विकास के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे बुनियादी सुविधाओं में सुधार होगा। श्री राजवाड़े ने कहा कि यह बजट राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए उपयोगी साबित होगा।

गांव की बेटी शकुंतला पैकरा बनी उप निरीक्षक, कंप्यूटर डाटा आपरेटर से उप निरीक्षक बनने तक का सफर

बिट्टू सिहं राजपूत , सूरजपुर।

शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सूरजपुर की पूर्व छात्रा कुमारी शकुंतला पैकरा को छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग में उप निरीक्षक के पद पर नियुक्ति मिलने पर महाविद्यालय परिवार ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

शकुंतला पैकरा वर्ष 2019 से 2021 तक महाविद्यालय में एमएससी वनस्पतिशास्त्र की नियमित छात्रा रहीं। स्नातकोत्तर उपरांत उन्होंने शासकीय महाविद्यालय, प्रेमनगर, जिला सूरजपुर में डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर अस्थायी रूप से कार्य किया। इसी दौरान उन्होंने मेहनत और लगन से अध्ययन जारी रखा और छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग की उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा-2021 में सफलता प्राप्त की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच. एन. दुबे एवं वनस्पतिशास्त्र विभागाध्यक्ष टी. आर. राहंगडाले सहित समस्त सहायक प्राध्यापकों ने उनकी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शकुंतला की सफलता से महाविद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं को भी प्रेरणा मिलेगी।

30 साल से पति-पत्नी चला रहे ग्राम पंचायत की कमान, निर्विरोध सरपंच चुनकर ग्रामीणों ने पेश की मिसाल

हथखोर समाचार/सूरजपुर। जिले के जगतपुर ग्राम पंचायत में बीते 30 वर्षों से सरपंच पद की कमान एक ही परिवार के हाथों में है। खास बात यह है कि इस गांव में कभी भी सरपंच पद के लिए चुनाव नहीं हुए। हर बार ग्रामीण आपसी सहमति से सरपंच का चयन करते हैं, जिससे गांव में एकता बनी रहती है और विकास कार्य निर्बाध रूप से चलते हैं।

जगतपुर के बुजुर्गों का कहना है कि पहले यह पंचायत बिहारपुर का आश्रित था, जिससे विकास की रफ्तार थमी हुई थी। पहली बार जब फुलेश्वरी पैकरा सरपंच बनीं, तब गांव के विकास कार्यों में कई बाधाएं आईं, क्योंकि पंचायत के बड़े फैसले बिहारपुर के पंचों द्वारा लिए जाते थे। लेकिन बाद में भाजपा नेता महेश्वर पैकरा के नेतृत्व में जगतपुर को अलग पंचायत का दर्जा दिलाया गया, जिसके बाद गांव में विकास की गंगा बहने लगी।

गांव की तकदीर बदली, बुनियादी सुविधाएं पूरी हुईं : पिछले 30 वर्षों में पति-पत्नी के नेतृत्व में जगतपुर की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। पहले जहां सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी थी, वहीं अब गांव पूरी तरह से समृद्ध हो चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि वे पक्ष-विपक्ष से ऊपर उठकर पैकरा परिवार को ही सरपंच चुनते आ रहे हैं क्योंकि उन्होंने गांव की जरूरतों को प्राथमिकता दी है।

निर्विरोध चुनाव से आपसी सौहार्द और विकास को बढ़ावा : ग्रामीणों का मानना है कि चुनाव होने से आपसी संबंधों में खटास आती है। कई बार प्रत्याशी चुनाव जीतने के लिए धन और अन्य प्रलोभनों का सहारा लेते हैं, जिससे भ्रष्टाचार बढ़ता है और विकास प्रभावित होता है। निर्विरोध सरपंच चयन करने से गांव में सौहार्द बना रहता है और विकास कार्यों को गति मिलती है। यही कारण है कि लगातार 6 बार से जगतपुर के ग्रामीण निर्विरोध सरपंच चुन रहे हैं।

गांव में मिडिल स्कूल और उप-स्वास्थ्य केंद्र खोलने का लक्ष्य : छठी बार निर्विरोध सरपंच बनीं फुलेश्वरी पैकरा ने शपथ ग्रहण के दौरान कहा कि अब गांव में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो चुकी हैं, लेकिन उनका अगला लक्ष्य मिडिल स्कूल और उप-स्वास्थ्य केंद्र खोलना है। उन्होंने कहा,

गांव के लोग जब इतना विश्वास मुझ पर और मेरे पति पर कर रहे हैं, तो हमारी जिम्मेदारी है कि हम मिलकर जगतपुर को एक आदर्श गांव बनाएं, जिससे जनपद और जिले में इसकी पहचान बने।

गांव का मॉडल पूरे जिले के लिए मिसाल : जगतपुर गांव न केवल विकास के मामले में बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में नई परंपरा स्थापित करने के लिए भी एक मिसाल बन चुका है। यहां के ग्रामीणों ने यह साबित कर दिया है कि जब जनप्रतिनिधि ईमानदार और समर्पित हों, तो बिना राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के भी विकास संभव है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक बिंटू सिंह द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जय स्तंभ चौक रायपुर रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व जंगल पारा वार्ड नंबर 01 , नगर पंचायत जरही , जिला सूरजपुर (छ.ग)-497235 से प्रकाशित। संपादक बिंटू सिंह मो. 9009935816 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र सूरजपुर होगा।